दैनिक
इंटीग्रेटेड ट्रेड
डेवलपमेंट सेंटर न्यूज
आईटीडीसी इंडिया ईप्रेस | 2018 में स्थापित | ITDCNEWS.COM
आरएनआई नं. MPHIN/2018/77221
डाक पंजीयन नं. MP/BHOPAL/4-504/2020-22
वर्ष-4 अंक-266 भोपाल, गुरुवार 5 अगस्त, 2021, पृष्ठ-8, मूल्य-3 रुपए

आज का सुविचार

जिस प्रकार जल कमल के पत्ते पर नहीं ठहरता है, उसी प्रकार मुक्त आत्मा के कर्म उससे नहीं चिपकते हैं।
-छांदोग्य उपनिषद

पंचांग

श्रावण कृष्ण पक्ष द्वादशी, गुरुवार विक्रम, संवत 2078

मौसम

सूर्योदय/सूर्यास्त	5:52/7:01
वर्षा/बादल %	85 %
नमी %	90 %
वायु (किमी/घं.)	18
तापमान प्रातः/रात्रि (डिग्री से.)	26°/23°

स्वर्ण दर 24 कैरेट

प्रति 10 ग्राम/1तोला
₹ 49,415

शेयर सूचकांक

बीएसई	54369.77	+546.41
निफ्टी	16258.80	+128.05

हरियाली सूचकांक

green DONOR FORCE
भारत 22%
म.प्र. 32%
माँ प्रकृति की सेवा को भी समय दें

संसद के बाहर भिड़े कांग्रेस-अकाली सांसद : रवनीत बिट्टू बोले-

कृषि कानून पास हुए तो आप मंत्री थीं, यह नकली प्रदर्शन है, हरसिमरत ने पूछा- राहुल ने वॉकआउट क्यों किया?

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

संसद के मानसून सेशन में नए कृषि कानून को लेकर हंगामा मचा हुआ है। बुधवार को इसका असर संसद के बाहर भी देखने को मिला। इस मामले पर कांग्रेस सांसद रवनीत सिंह बिट्टू और शिरोमणि अकाली दल सांसद और पूर्व केंद्रीय मंत्री हरसिमरत कौर बादल के बीच जुबानी जंग हुई। प्लेकार्ड्स लेकर संसद के बाहर प्रदर्शन कर

रहीं बादल और अकाली सासंदों से बिट्टू ने कहा कि आपका यह प्रदर्शन नकली है। कांग्रेस सांसद ने कहा कि जिस समय सरकार कृषि कानून संसद में पास करा रही थी, उस वक्त SAD सरकार के साथ थी। उसके किसी भी नेता ने केंद्र सरकार के बिल पर ऐतराज नहीं जताया। संसद में जब बिल पास हो गया, तब किसानों का हितैषी बनने के लिए इ्रूछ के नेताओं ने घर जाकर इस्?तीफा दिया। ये लोग रोज ड्रामा करते हैं, जबकि इन लोगों के कैबिनेट में रहते हुए बिल पास हुआ।

राहुल और सोनिया संसद में क्यों नहीं बोलेः हरसिमरत कौर

इस पर पूर्व केंद्रीय मंत्री हरसिमरत कौर बादल ने कहा कि जब बिल संसद में पास हो रहा था तो कांग्रेस ने बिल के समय वॉकआउट क?यों किया था? जब संसद में बिल पास हो रहा था, उस समय राहुल गांधी कहां पर थे? उस समय वो किसानों की आवाज बनकर संसद में क?यों नहीं आए। राहुल और सोनिया गांधी ने बिल के विरोध में संसद में अपनी बात क?यों नहीं रखी।

कृषि कानूनों को लेकर प्रदर्शन और सियासत जारी: केंद्र सरकार खेती से जुड़े तीन कानून लेकर आई है। ये तीनों कानून संसद के दोनों सदनों से पारित हो भी चुके हैं और कानून बन चुके हैं। इन कानूनों के खिलाफ दिल्ली में किसान प्रदर्शन कर रहे हैं। साथ ही इस पर सियासत भी जारी है।

प्रधानमंत्री श्री मोदी के सहयोग से हुई सेना और एयर लिफ्ट की व्यवस्था

अति वृष्टि और बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों से 8 हजार से अधिक लोगों को सुरक्षित निकाला : मुख्यमंत्री

» बचाव कार्य में लगी हैं 75 विशेष टीमें और 5 हेलीकॉप्टर

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज भोपाल

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने बताया कि प्रदेश में अतिवृष्टि और बाढ़ से शिवपुरी, श्योपुर, दतिया, ग्वालियर, गुना, भिंड और मुरैना जिलों के कुल 1225 ग्राम प्रभावित हैं। अब तक श्योपुर जिले के 32 गाँवों से 1500 लोगों को सुरक्षित निकाला जा चुका है। इसी प्रकार शिवपुरी के 90 गाँवों से 2000 और दतिया, ग्वालियर, मुरैना, भिंड के 240 गाँवों से एसडीईआरएफ, एनडीईआरएफ, आर्मी तथा बीएसएफ ने मिलकर लगभग 5,950 लोगों को सुरक्षित निकालने में सफलता प्राप्त की है। अभी तक की जानकारी के अनुसार 1950 लोगों को निकालने के प्रयास जारी हैं। खराब मौसम के कारण कल एयर फोर्स के हेलीकॉप्टर को बचाव कार्य में कठिनाई आ रही थी। आज फिर हेलीकॉप्टरों ने बचाव कार्य शुरू किया है। मुख्यमंत्री श्री चौहान

स्मार्ट पार्क में मीडिया के प्रतिनिधियों से प्रदेश के ग्वालियर-चंबल संभाग में जारी अति वृष्टि और बाढ़ की स्थिति के संबंध में बातचीत कर रहे थे।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि शिवपुरी और श्योपुर में कल तक ही लगभग 800 मिली मीटर बारिश हो चुकी है। यह अप्रत्याशित स्थिति है। श्योपुर जिले में संचार व्यवस्था पूरी तरह से ठप्प हो चुकी है।

जिला प्रशासन के साथ एनडीईआरएफ, एसडीईआरएफ और सेना सक्रिय

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि एनडीईआरएफ की 3 टीमें पहले से बचाव कार्य में लगी थीं, दो टीमें और आ रही हैं। आर्मी के चार कॉलम और एसडीईआरएफ की 70 से अधिक टीमें जिला प्रशासन के साथ बचाव कार्य में लगी हुई हैं। अब तक एयरफोर्स के चार हेलीकॉप्टर ग्वालियर में और एक शिवपुरी में बचाव कार्य में लगा हुआ है।

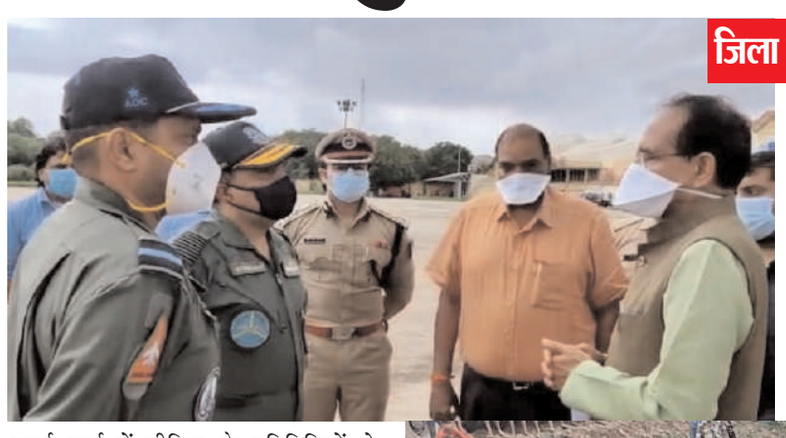

चंबल नदी में पानी बढ़ने से भिंड और मुरैना में सर्तकता जरूरी

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने बताया कि चंबल नदी में लगातार पानी बढ़ रहा है। कोटा बैराज से छोड़े गये पानी से भी जल स्तर और बढ़ेगा। भिंड और मुरैना जिले के लिये यह चिंता का विषय है। इन जिलों के निचले इलाकों में बसे गाँवों को खाली कराने का काम लगातार जारी है। भिंड में 800 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर शिफ्ट किया गया है। मुरैना में सावधानी के तौर पर गाँव खाली कराये जा रहे हैं। लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुँचाने का प्रयास किया जा रहा है। सिंध नदी में भी लगातार पानी बढ़ रहा है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि राहत के लिए कैंप और भोजन व्यवस्था की जा रही है। मैं निरंतर केंद्र सरकार के संपर्क में हूँ।

कर्नाटक में मंत्रिमंडल विस्तार

29 मंत्रियों ने ली शपथ, इस बार कोई डिप्टी सीएम नहीं

बेंगलुरू। कर्नाटक में बुधवार को वसवराव बोम्मई की सरकार में मंत्रिमंडल विस्तार कर 29 विधायकों को मंत्री पद की शपथ दिलाई गई। इस सरकार में किसी को उपमुख्यमंत्री की कुर्सी नहीं मिली, जबकि येदियुरप्पा की पिछली सरकार में 3 डिप्टी ष्ट्रूबनाए गए थे। पूर्व मुख्यमंत्री बीएस येदियुरप्पा के बेटे और भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष बी वाई विजयेंद्र का नाम लिस्ट में शामिल नहीं किया गया। राज्यपाल थावरचंद गहलोत राजभवन नए मंत्रियों को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। बोम्मई ने कहा कि मंत्रिमंडल विस्तार से पहले दिल्ली में पार्टी आलाकमान से बातचीत की गई थी। मंगलवार रात तक हुई चर्चा के बाद लिस्ट तय हुई। इसके बाद मैंने लिस्ट राज्यपाल को भेजकर उनसे बात की।

दिल्ली में दलित बच्ची से रेप और हत्याःराहुल गांधी बोले-

पीड़ित परिवार को इंसाफ दिलाएंगे

श्मशान के पुजारी समेत 4 लोगों पर आरोप

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

दिल्ली में 9 साल की दलित बच्ची से रेप और हत्या के मामले में कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने बुधवार को पीड़ित परिवार से मुलाकात की है। इस मुलाकात के बाद राहुल ने कहा कि पीड़ित परिवार इंसाफ चाहता है, उन्हें और कुछ नहीं चाहिए। पीड़ित परिवार का कहना है कि उनके साथ न्याय नहीं हो रहा, इसलिए उन्हें मदद की जरूरत है। राहुल गांधी ने कहा कि इंसाफ मिलने तक हम उनके साथ खड़े रहेंगे। बता दें इस मामले में नांगल गांव के श्मशान में स्थित मंदिर के पुजारी राधेश्याम समेत 4 लोग आरोपी हैं। राहुल के बाद दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने भी पीड़ित परिवार से मुलाकात की है। केजरीवाल ने कहा कि इस परिवार को जो नुकसान हुआ

है उसकी भरपाई तो नहीं की जा सकती, लेकिन दिल्ली सरकार उन्हें 10 लाख रुपए की मदद देगी। इस मामले की मजिस्ट्रेट जांच करवाई जाएगी। इसके लिए टॉप वकील नियुक्त किए जाएंगे ताकि दोषियों को कड़ी सजा मिल सके। उधर भीम आर्मी के चीफ चंद्र शेखर ने भी पीड़ित परिवार से मुलाकात की है और कहा है कि उनका संगठन बच्ची को इंसाफ दिलाने के लिए हो रहे प्रदर्शन में शामिल होगा।

महिला हॉकी के सेमी में भारतीय टीम अर्जेंटीना से 1-2 से हारी

टोक्यो। टोक्यो ओलिंपिक में महिला हॉकी के सेमीफाइनल में भारत को अर्जेंटीना के खिलाफ 1-2 से हार झेलनी पड़ी। भारत की डिफेंडर गुरजीत ने दूसरे ही मिनट में पेनल्टी कॉर्नर पर गोल मारा। गुरजीत ने ही क्वार्टर फाइनल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ इकलौता विनिंग गोल दागा था। उधर, दूसरे क्वार्टर फाइनल अर्जेंटीना की कप्तान ने दूसरे क्वार्टर में पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदला। तीसरे क्वार्टर फाइनल में उन्होंने एक गोल और किया। भारत को अब ब्रॉन्ज मेडल मैच में ब्रिटेन का सामना करना है। ब्रिटेन को एक अन्य सेमीफाइनल में नीदरलैंड्स ने हराया।

दैनिक इंटीग्रेटेड ट्रेड

अर्थव्यवस्था, शिक्षा, नियोजन, उद्भव, पर्यावरण, मनोरंजन.

आपकी बात आपके साथ

मप्र में फिर बनेंगे कंटेंनमेंट जोन!, प्रदेश में एक दिन में 28 नए केस, दमोह में 15, सागर में 7 मरीज मिले

सतर्क रहकर तीसरी लहर रोकने करें मदद : मुख्यमंत्री

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज भोपाल

मध्य प्रदेश में कोरोना संक्रमण के बढ़ते मामलों ने सरकार की चिंता बढ़ा दी है। बुधवार को प्रदेश में एक दिन में 28 नए संक्रमित मिले हैं। इसमें अकेले दमोह में ही सबसे ज्यादा 15, सागर में 7, जबलपुर में 3, भोपाल में 2 और इंदौर में 1 नए केस सामने आए हैं। पिछले 5 दिनों में अकेले सागर में 27 पॉजिटिव मिल चुके हैं। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने बुधवार को कहा, कोरोना फिर

बढ़ रहा है। बचाव के लिए सतर्कता जरूरी है। टेस्टिंग के साथ-साथ लोगों को आइसोलेट करने, माइक्रो कंटेंमेंट जोन बनाने जैसी कार्रवाई की जाएगी। प्रदेश में पिछले 5 दिनों 31 जुलाई से 4 अगस्त के बीच सबसे ज्यादा सागर में 27, दमोह में 17, भोपाल में 12, जबलपुर में 13, इंदौर में 15 नए संक्रमित मिल चुके हैं। इसके अलावा, राजगढ़ में 3, बड़वानी में 2, टीकमगढ़ में 4 व बैतूल, होशंगाबाद, शिवपुरी, सतना, छतरपुर, रायसेन, बालाघाट में 1-1 मामले सामने आए हैं। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने स्मार्ट सिटी उद्यान में कहा कि कोरोना फिर बढ़ रहा है। बचाव के लिए सतर्कता जरूरी है। मुख्यमंत्री ने कहा, प्रदेश में मंगलवार को 71 हजार 103 टेस्ट किए गए हैं। इनमें 28 पॉजिटिव आए हैं। कोरोना के नए मामले 6 से 28 पर पहुंच गए हैं। बुंदेलखंड में नए केस मिलना चिंता का विषय है। सीएम ने कहा, सभी लोग मास्क लगाने, सोशल डिस्टेंसिंग जैसी सावधानियों का पालन करें। उन्होंने जनता से अपील करते हुए कहा, बहुत अधिक सावधानी की आवश्यकता है। पड़ोसी राज्य छत्तीसगढ़ में भी केस बढ़ रहे हैं। केरल की स्थिति भी सामने है। चिकित्सा शिक्षा मंत्री विश्वास सारंग ने भी कोरोना के बढ़ते मामलों को चिंताजनक बताते हुए कहा कि टेस्टिंग बढ़ाई जा रही है। संक्रमण को फैलने से रोकने के लिए कॉन्टैक्ट ट्रैसिंग पर फोकस है। ऑक्सीजन स्टोरेज के साथ तीसरी वेव के लिए अस्पतालों को तैयार किया जा रहा है।

मध्यप्रदेश में असिस्टेंट लेक्चरर्स को झटका

2 साल का प्रोबेशन पीरियड पूरा होने के बाद ही होंगे ट्रांसफर

उच्च शिक्षा मंत्री ने कहा- भर्ती में ही 2 वर्ष का नियम है

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज भोपाल

मप्र के सरकारी कॉलेजों में दिसंबर-2019 में भर्ती हुए असिस्टेंट लेक्चरर्स (सहायक प्राध्यापक) को सरकार ने झटका दिया है। इनके दो वर्ष की प्रोबेशन पीरियड पूरा करने के बाद ट्रांसफर होंगे। उच्च शिक्षा मंत्री मोहन यादव ने कहा, मुख्यमंत्री द्वारा स्थानांतरण नीति तय की गई है। इसके तहत जो भी विभागों के प्रोबेशन पीरियड के अभ्यर्थी होंगे,

उनके दो वर्ष के बाद ही ट्रांसफर किए जाएंगे। मंत्री यादव ने कहा, असिस्टेंट लेक्चरर्स को भी यह अवधि पूरी करना होगी। जिन्होंने आवेदन दिए हैं, वे प्रोबेशन पीरियड पूरा कर लें। विभाग की सहानुभूति उनके साथ है।

इस साल दिसंबर में पूरी होगी अवधि, पर ट्रांसफर अगले साल ही हो सकेंगे:- दिसंबर-19 में असिस्टेंट लेक्चरर्स की भर्ती हुई थी। इसके अलावा स्पोर्टस ऑफिसर और लाइब्रेरियन की भर्ती भी की गई। विभाग के अनुसार करीब 1800 असिस्टेंट लेक्चरर्स, स्पोर्टस ऑफिसर व लाइब्रेरियन ने ट्रांसफर के लिए आवेदन दिए हैं। सभी अपने जिलों के नजदीकी कॉलेजों में पदस्थ होना चाहते हैं। इनमें 1 हजार से अधिक असिस्टेंट लेक्चरर्स हैं। इनकी प्रोबेशन पीरियड दो साल बाद यानी इस साल दिसंबर में खत्म होगा, लेकिन ट्रांसफर की प्रक्रिया अगले वर्ष तक ही जाएगी।

जिला प्रशासन के साथ भारतीय सेना बनी सहभागी, भितरवार जनपद पंचायत के अंतर्गत पार्वती नदी के ग्राम पलायछा में सेना के जवानों ने खाने के पैकेट वितरित किए।

न्यूज ब्रीफ

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने स्मार्ट पार्क में नीम का पौधा रोपा

भोपाल। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने आज स्मार्ट पार्क में नीम का पौधा लगाया। मुख्यमंत्री श्री चौहान अपने संकल्प के परिपालन में प्रतिदिन पौधा रोपण करते हैं। एंटीबायोटिक तत्वों से भरपूर नीम को सर्वोच्च औषधि ? के रूप में जाना जाता है। नीम स्वाद में भले ही कड़वा हो, लेकिन इससे होने वाले लाभ अमृत के समान होते हैं। पर्यावरण की दृष्टि से भी नीम बहुत उपयोगी है।

फिर बढ़ रहा है कोरोना, बचाव के लिए सर्तकता जरूरीः चौहान

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि प्रदेश में कल 71 हजार 103 टेस्ट किये गये हैं। इनमें 28 पॉजिटिव आये हैं। प्रदेश में पॉजिटिव आने की संख्या घटकर 6 तक हो गई थी। अब बढ़ते-बढ़ते यह 28 तक पहुँच गई है। दमोह में 15 और सागर में 7 पॉजिटिव केस आये हैं। बुंदेलखण्ड में पॉजिटिव केस मिलना चिंता का विषय है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने स्मार्ट उद्यान में मीडिया के प्रतिनिधियों से चर्चा के दौरान यह बात कही। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि कोरोना संक्रमण से बचाव के लिए सतर्कता जरूरी है। प्रदेशवासी मास्क लगाने, सोशल डिस्टेंसिंग जैसी सावधानियों का अनिवार्यतः पालन करें। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने प्रदेशवासियों से अपील करते हुए कहा कि बहुत अधिक सावधानी की आवश्यकता है। पड़ोसी राज्य छत्तीसगढ़ में भी केस बढ़ रहे हैं। केरल की स्थिति भी सामने है। अतः प्रदेशवासी सतर्क और सावधान रहकर तीसरी लहर को रोकने में सहयोग प्रदान करें। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि राज्य शासन द्वारा सभी आवश्यक उपाय किये जायेंगे। टेस्टिंग के साथ साथ लोगों को आइसोलेट करने, माइक्रो कंटेंमेंट जोन बनाने जैसी कार्यवाईयाँ की जायेंगी।

मप्र के नगरीय निकायों में बड़ा फेरबदल जल्द

प्रतिनियुक्ति के बहाने सालों से जमे अधिकारी कर्मचारियों को मूल विभागों में लौटाने की तैयारी

» बन रही लिस्ट

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज भोपाल

मध्य प्रदेश के नगरीय निकायों में प्रतिनियुक्ति के बहाने सालों से जमे 800 से ज्यादा अधिकारी-कर्मचारियों को उनके मूल विभागों में लौटाने की तैयारी है। नगरीय विकास एवं आवास विभाग इनकी सूची तैयार कर रहा है। 15 अगस्त से पहले लिस्ट जारी होने की संभावना है। मध्य प्रदेश में 16 नगर निगम, 98 नगर पालिका एवं 294 नगर परिषद है। इनमें से ज्यादातर नगर निगम एवं नगर पालिकाओं में अन्य विभागों के अधिकारी-कर्मचारी प्रतिनियुक्ति पर जमे हुए हैं। इनका नगर निगमों में काफी दखल है। कई अफसर तो मलाईदार पदों पर सालों से जमे हैं, जो निगमों से वापस अपने मूल विभागों में लौटना ही नहीं चाह रहे हैं। लिहाजा, निकायों को इन पर हर साल लाखों रुपए खर्च करना पड़ रहे हैं। चूंकि, कोरोना काल में नगर निकायों की आर्थिक स्थिति काफी

खस्ता हो चुकी है, इसलिए प्रतिनियुक्ति पर आए अधिकारी-कर्मचारियों को वापस भेजने की तैयारी विभाग स्तर पर शुरू हो गई है। प्रदेश में ट्रांसफर पर लगे बैन के खुलने के बाद से ही ऐसे कर्मचारियों की लिस्ट बनना शुरू हो गई थी, जो अब अंतिम दौर में बताई जा रही है।

पिछले साल भी हो चुके आदेश, पर कई वापस लौट आए

बताया जाता है कि भोपाल नगर निगम में ऐसे करीब 100 अधिकारी-कर्मचारियों के नाम है। हालांकि, पिछले साल भी प्रशासक कवींद्र कियावत ने 66 कर्मचारियों को मूल विभाग में भेजने के आदेश जारी किए थे, लेकिन कई कोर्ट से स्टे ले आए थे। कुछ नाम तो काफी सुर्खियों में रहे थे। बता दें कि नगर निगम ने 2020 में ग्वालियर की तर्ज पर एक एक्शन प्लान तैयार किया था। इसमें 102 में से 66 लोगों की मूल विभाग में भेजने के लिए सूची तैयार की गई थी, लेकिन प्रक्रिया में ढिलाई बरती गई थी। इस कारण अब विभाग खुद ही सूची तैयार करवा रहा है। कई अधिकारी-कर्मचारी ऐसे भी हैं, जो अन्य निकायों के हैं, लेकिन भोपाल नगर निगम में सालों से जमे हुए हैं। इन्हें भी उनके निकाय में भेजा जाएगा।

निकायों में आने की ये 4 बड़ी वजह

- मलाईदार पोस्ट मिलती है। अपने विभाग की तुलना में स्वतंत्रता ज्यादा रहती है।
- निकाय स्वशासी संस्थाएं होती हैं। महापौर-अध्यक्ष के साथ कमिश्नर-सीएमओ से ही संपर्क करना होता है।
- निकायों में राजनीतिक संपर्क बना रहता है। इसी दौरान बड़े नेताओं से भी संपर्क हो जाता है।
- रहने के लिए क्वार्टर, पानी, सफाई जैसी सुविधाएं मुफ्त में मिलती है।

भोपाल में ये जमे

नगर निगम के एक स्वास्थ्य अधिकारी का मूल विभाग नगर पालिका देवास है। वहीं सहायक यंत्री के तौर पर पदस्थ एक अधिकारी का मूल विभाग पीएचई है। नगर पालिका मुरैना में पदस्थ एक कर्मचारी भोपाल नगर निगम में सहायक लेखा अधिकारी है।

मप्र में 5 अगस्त से नौवीं-10वीं की कक्षाएं भी लगेंगी

अब सप्ताह में 6 दिन खुलेंगे स्कूल, लेकिन 9वीं से 12वीं तक की कक्षाएं 1 दिन ही लगेगी; कोचिंग क्लासेस भी शुरू हो सकेंगी

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज भोपाल

मप्र में 5 अगस्त से नौवीं और 10वीं की कक्षाएं भी शुरू हो जाएंगी। इसके साथ ही सप्ताह में 6 दिन तक स्कूलों में कक्षाएं लगने लगेगी। हालांकि, पहले दिन नौवीं एवं 10वीं की कोई क्लास नहीं लग सकेगी, क्योंकि शनिवार को 9वीं एवं बुधवार को 10वीं का शेड्यूल तय किया गया है। बाकी दिनों में 11वीं-12वीं की कक्षाएं लगाई जाएगी। 12वीं की कोचिंग क्लासेस भी गुरुवार से शुरू हो सकेंगी। कक्षा नौवीं और 10वीं के स्कूल 50त्न की उपस्थिति के साथ खुलेंगे। इस संबंध में सरकार पहले ही आदेश जारी कर चुकी है। सप्ताह में सिर्फ 1 दिन ही कक्षाएं संचालित की जाएगी। इससे पहले 26 जुलाई से 11वीं एवं 12वीं की कक्षाएं लगाई जा रही हैं।

अब ये शेड्यूल रहेगा कक्षाएं खुलने का

9वीं : शनिवार
10वीं : बुधवार
11वीं : मंगलवार व शुक्रवार
12वीं : सोमवार व गुरुवार

ये मापदंड तय

50 फीसदी उपस्थिति की क्षमता से कक्षाएं लगाई जा सकेगी।
स्कूलों में तैराकी, प्रार्थना सभा समेत खेलकूद की गतिविधियां नहीं होंगी।
कोरोना गाइडलाइन का पालन करना अनिवार्य है।
प्रायवेट स्कूल संचालक बोले- पहली से आठवीं तक के स्कूल नहीं खुले, इस कारण सभी दिन लगा सकते हैं कक्षाएं

नगरीय विकास एवं आवास मंत्री श्री भूपेन्द्र सिंह ने तुलसी टावर-2 के संबंध में आयोजित ओपन हाउस का दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ किया।

छतरपुर सौर पार्क के लिये 1400 हेक्टेयर भूमि आवंटित

मुरैना सौर पार्क के लिये 3100 हेक्टेयर भूमि चिन्हित

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज भोपाल

नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा मंत्री श्री हरदीप सिंह डंग ने बताया कि सौर परियोजना स्थापना के लिये छतरपुर जिले में 1400 हेक्टेयर भूमि विभाग को आवंटित हो चुकी है। यह परियोजना जिले की बीजावर तहसील में 950 मेगावॉट क्षमता की होगी। विभाग द्वारा परियोजना स्थापना से पूर्व बेसलाइन अध्ययन, ट्रांसमिशन सब-स्टेशन आदि की स्थापना की कार्यवाही शुरू कर दी गई है। परियोजना से उत्पन्न होने वाली 700 मेगावॉट बिजली की खरीदी मध्यप्रदेश पॉवर मैनेजमेंट कंपनी लिमिटेड करेगी।

मुरैना सौर पार्क होगा 1400 मेगावॉट क्षमता का

मंत्री श्री डंग ने बताया कि मुरैना जिले की कैलारस और जौरा तहसील में 1400 मेगावॉट क्षमता की सौर परियोजना स्थापना प्रस्तावित है। इसके लिये 3100 हेक्टेयर भूमि चिन्हित कर ली गई है। विभाग द्वारा बेसलाइन अध्ययन, ट्रांसमिशन सब-स्टेशन चयन आदि की कार्यवाही भी की जा रही है। इसके अलावा सागर, दमोह और छतरपुर जिले में भी सौर परियोजना तथा विनिर्माण इकाई के लिये लगभग 25 हजार हेक्टेयर भूमि का चिन्हांकन किया गया है। भविष्य में निजी निवेशकों के प्रस्ताव अनुसार चिन्हांकित भूमि पर परियोजनाएँ विकसित की जायेंगी।

सौर ऊर्जा में तेजी से बढ़ रहा है मध्यप्रदेश

नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा मंत्री ने बताया कि सौर ऊर्जा के क्षेत्र में मध्यप्रदेश देश में तेजी से शिखर की ओर बढ़ रहा है। विश्व की बड़ी परियोजनाओं में से एक रीवा प्लांट पूर्ण क्षमता के साथ उत्पादन कर रहा है। पिछले दिनों आगर और शाजापुर सोलर पार्क के लिये हुई बिड में अंतर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय स्तर की कंपनियों द्वारा दिखाया गया उत्साह और देश में सबसे न्यूनतम मूल्य पर बिड की समाप्ति निवेशकों का मध्यप्रदेश की सौर ऊर्जा के प्रति विश्वास का द्योतक है।

न्यूज ब्रीफ

एचडीएफसी का संचयी शुद्ध लाभ 31 प्रतिशत बढ़ा

नई दिल्ली। देश के सबसे बड़े बंधक ऋणदाता एचडीएफसी ने सोमवार को कहा कि जून 2021 को समाप्त तिमाही में उसका संचयी शुद्ध लाभ 31 प्रतिशत बढ़कर 5 कंपनी ने एक साल पहले इसी तिमाही में 4,059 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाया था।

एचडीएफसी ने शेयर बाजार को बताया कि 30 जून 2021 को समाप्त तिमाही में उसका शुद्ध लाभ 39 प्रतिशत बढ़कर 5,041 करोड़ रुपये हो गया, जो पिछले साल की समान अवधि में 3,614 करोड़ रुपये था। कंपनी ने बताया कि वित्त वर्ष 2021-22 की पहली तिमाही में उसकी कुल आय 29,959 करोड़ रुपये से बढ़कर 30,997 करोड़ रुपये हो गई।

कोविड-19 के प्रकोप के बारे में एचडीएफसी ने कहा कि आवास की मांग मजबूत बनी हुई है और जून-जुलाई 2021 के महीनों में व्यापार सामान्य स्थिति में वापस आ गया है। एचडीएफसी ने कहा कि व्यापार के लिए कोविड की तीसरी लहर के रूप में जोखिम बना रही है।

निर्यात कमजोर पड़ने के बीच चीन के विनिर्माण क्षेत्र में गिरावट

बीजिंग। दो अगस्त (एपी) निर्यात मांग कमजोर पड़ने और कारखानों में कच्चे माल की कमी के चलते चीन के विनिर्माण क्षेत्र की वृद्धि दर 15 महीनों के न्यूनतम स्तर पर पहंच गई। कारोबारी पत्रिका चाइसिन द्वारा जारी मासिक क्रय प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) जून के 51.3 अंक से घटकर जुलाई में 50.3 अंक हो गया। यदि यह सूचकांक 50 से अधिक है, तो इसका अर्थ है कि गतिविधियों में विस्तार हो रहा है।

एक अन्य उद्योग समूह और चीन की सांख्यिकी एजेंसी द्वारा जारी एक अन्य पीएमआई 50.9 अंक से घटकर 50.4 अंक रह गया।

इलेक्ट्रिक व्हीकल का रजिस्ट्रेशन हुआ फ्री, इससे 4 हजार तक सस्ती पड़ेंगी कारें

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

देश में इलेक्ट्रिक व्हीकल (ईवी) का इस्तेमाल बढ़ाने की दिशा में सरकार ने मंगलवार को एक बड़ा कदम उठाया। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय ने बैटरी से चलने वाली गाड़ियों का रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट जारी करने या रिन्यूअल के लिए कोई शुल्क न लेने की घोषणा की। मंत्रालय ने कहा कि इलेक्ट्रिक व्हीकल के नए रजिस्ट्रेशन मार्क जारी करने के लिए भी कोई शुल्क नहीं लिया जाएगा। ऑटोमोबाइल डीलरों के संगठन एफएडीए के अध्यक्ष विंकेश गुलाटी ने बताया कि सरकार के इस फैसले से ई-स्कूटर या बाइक खरीदने की लागत कम से कम 1,000 रुपए कम हो जाएगी। इलेक्ट्रिक कारें खरीदने वाले ग्राहकों को भी 4,000 रुपए का फायदा होगा।

राज्य सरकारें भी दे रही बढ़ावा

केंद्र सरकार के बाद अब राज्यों ने भी ईवी को बढ़ावा देने के लिए इन्सेंटिव देना शुरू कर दिया है। बीते एक महीने में तीन बड़े राज्य इसकी घोषणा कर चुके हैं, जबकि 20 राज्य पॉलिसी तैयार कर रहे हैं। जिन राज्यों ने इन्सेंटिव देना शुरू किया है, वहां EV की कीमतों में 40 Ė¤èâÎè तक की भारी-भरकम कमी देखने को मिल रही है।

केन्द्र सरकार भी कर चुकी सब्सिडी का ऐलान

जुलाई की शुरुआत में केंद्र ने 'फास्टर अडाप्शन एंड मैन्युफैक्चरिंग ऑफ इलेक्ट्रिक

व्हीकल्स' (फेम-2) स्कीम की अवधि दो साल बढ़ाकर 31 मार्च, 2024 कर दी है। पहले यह स्कीम अप्रैल, 2022 में खत्म होनी थी। अब राज्य सरकारें भी अपने-अपने स्तर पर लोगों के लिए इलेक्ट्रिक वाहन खरीदना आसान बना रही है। बीते एक महीने में महाराष्ट्र, गुजरात और राजस्थान ने ईवी इन्सेंटिव पॉलिसी लागू की है। तीन अन्य राज्यों में पहले से यह नीति लागू है। इससे इलेक्ट्रिक दोपहिया के दाम लगभग आधे हो गए हैं। 20 राज्य इलेक्ट्रिक व्हीकल को प्रोत्साहन देने की प्रक्रिया में हैं। उनके यहां भी ऐसी नीति लागू होने के बाद ईवी की मांग बढ़ेगी।

पांच सालों में 50 लाख से ज्यादा इलेक्ट्रिक व्हीकल चलेंगी

इससे ईवी कंपनियां उत्साहित हैं। उनका कहना है कि इससे ज्यादा से ज्यादा लोग इलेक्ट्रिक व्हीकल इस्तेमाल करने के लिए प्रोत्साहित होंगे। रिवोल्ट मोटर्स ब्रांड की इलेक्ट्रिक मोटरबाइक बनाने वाली कंपनी रतन इंडिया एंटरप्राइजेस की चेयरमैन अंजलि रतन ने कहा, अगले 5 सालों में देश की सड़कों पर 50 लाख से ज्यादा इलेक्ट्रिक दोपहिया दौड़ने की उम्मीद है। राज्य सरकारों की तरफ से दिए जा रहे प्रोत्साहन की बदौलत यह लक्ष्य पहले भी हासिल हो सकता है।

विदेशी बाजारों में डिमांड लगातार 17वें महीने घटी

जुलाई में लगातार तीसरे महीने कमजोर रहीं सर्विस सेक्टर की गतिविधियां

हालात जल्द सुधरने की संभावना नहीं

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

जुलाई में घरेलू सेवा क्षेत्र में आर्थिक गतिविधियां लगातार तीसरे महीने कमजोर रहीं। आईएचएस मार्किट का सर्विसेज पर्चेजिंग मैनेजर्स इंडेक्स जून के 41.2 के मुकाबले जुलाई में बढ़कर 45.4 पर आ गया। लेकिन यह लगातार तीसरे महीने 50 से नीचे बना हुआ है यानी इसमें लगातार डीग्रोथ हो रहा है। इन बातों का पता आईएचएस मार्किट की तरफ से कराए गए सर्विसेज सेक्टर के सर्वे से चला है।

कंपोजिट इंडेक्स जुलाई में बढ़कर 49.2 हो गया जो जून में 43.1 था: - सर्विसेज सेक्टर के PMI में बढ़ोतरी से कंपोजिट इंडेक्स जुलाई में बढ़कर 49.2 हो गया जो जून में 43.1 था। लेकिन इसमें निराश करने वाली बड़ी बात यह है कि विदेशी बाजारों में सर्विसेज की डिमांड लगातार 17वें महीने घटी है। सर्विसेज सेक्टर की एक्टिविटी लगातार तीसरे महीने कमजोर रहने से मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर की एक्टिविटी में बढ़ोतरी का असर कम हुआ।

मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर की एक्टिविटी में बढ़ोतरी बेअसर

कोविड के चलते लगी पाबंदियों से कम रही सर्विसेज सेक्टर में एक्टिविटी:- पिछले महीने सर्विसेज सेक्टर में एक्टिविटी कोविड के चलते लगी पाबंदियों की वजह से कम रही थी। दूसरी लहर पर काबू पाने के लिए राज्य सरकारों ने जो पाबंदियां लगाई थीं, उनको संक्रमण दर में गिरावट आने के बाद नरम बना दिया गया। इससे कुछ राहत मिलने की संभावना बनी थी लेकिन तीसरी लहर चलने की आशंका से उस पर पानी फेर दिया।

जुलाई के आंकड़े निराशाजनक, नए ऑर्डर में मासिक आधार पर गिरावट:- आईएचएस मार्किट की एसोसिएट डायरेक्टर-इकोनॉमिक्स पॉलियाना डी लीमा ने कहा, %भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए अहम माने जाने वाले सर्विस सेक्टर के परफॉर्मेंस पर कोविड के चलते दबाव बना रह सकता है। इस सेक्टर के जुलाई के आंकड़े निराश करने वाले रहे हैं। नए ऑर्डर में मासिक आधार पर गिरावट आई है। इसके अलावा आउटपुट में भी गिरावट आई लेकिन उसकी दर मासिक आधार पर कम रही है।

सर्विसेज सेक्टर की कंपनियों ने जुलाई में लगातार आठवें महीने छंटनी की

कमजोर डिमांड और निराशाजनक आउटलुक के चलते सर्विसेज सेक्टर की कंपनियों ने जुलाई में लगातार आठवें महीने छंटनी की। इससे पता चलता है कि रोजगार बाजार के कोविड से पहले वाली स्थिति में आने में लंबा समय लग सकता है। गौरतलब है कि सर्विसेज सेक्टर में रोजगार के मौकों में गिरावट के बीच मैन्युफैक्चरिंग इंडस्ट्री में काम करने वालों की संख्या में इजाफा हुआ।

ट्रांसपोर्ट एंड स्टोरेज सेगमेंट की बिजनेस एक्टिविटी और सेल्स में उछाल

कोविड का सबसे ज्यादा दबाव कंज्यूमर सर्विसेज सेगमेंट में देखा गया। चार कैटेगरी में से इसके नए ऑर्डर में गिरावट की रफ्तार सबसे ज्यादा रही। सिर्फ ट्रांसपोर्ट एंड स्टोरेज सेगमेंट ऐसा रहा, जिसमें बिजनेस एक्टिविटी और सेल्स में उछाल आया।

आठ महीने बाद 200 रुपए के नीचे आएंगे सेब के दाम

तीन साल में दो गुना तक बढ़े सेब के दाम

वैरायटी	2019	2020	2021
स्पर	2,400	2,700	3,000
रॉयल	1,500	2,600	3,000
गोल्डन	800	700	900
रेड गोल्डन	650	1,300	1,200
रेड गाला	1,700	2,200	2,700

नोट: औसत दाम रुपए में, प्रति 20 किलो की पेटी

» हिमाचल से आने लगे सेब, देश में 50 रुपए तक घटेंगी कीमतें

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

बीते आठ महीने से 200 रुपए प्रति किलो से ऊपर बिक रहे सेब में इस माह से राहत मिलेगी। हिमाचल से सेब आने शुरू हो गए हैं और जल्द इनके दाम 30-50 रुपए प्रति किलो तक घट सकते हैं। सितंबर के पहले हफ्ते से कश्मीरी सेब भी बाजार में आने लगेगा, तब कीमतों में और कमी आएगी। हिमाचल प्रदेश के छह जिलों- शिमला, कुल्लू, मंडी, चम्बा, सिरमौर और किन्नौर में सेब का उत्पादन होता है। राज्य में सेब का सीजन 15 जुलाई से 31 अक्टूबर होता है। बहरहाल, मंडियों में हिमाचल के सेब की आवक बढ़ने लगी है। इसके चलते जल्द ही भाव घटने शुरू होंगे। हिमाचल में हर साल 3.5-3.75 करोड़ पेटी (प्रति पेटी 20 किलो) सेब का उत्पादन होता है। लेकिन इस साल राज्य में सेब का कुल उत्पादन 3 करोड़ पेटी के आसपास सिमट सकता है।

150 रुपए से कम दाम की उम्मीद नहीं

हिमाचल के बागवानी विभाग के मुताबिक, इस साल पिछले सीजन से 70-80 लाख पेटी कम सेब उत्पादन की संभावना है। यही कारण है कि रॉयल और रेड गोल्डन सेब 150 रुपए प्रति किलो से नीचे नहीं आएंगे। बागवानी विभाग के डायरेक्टर जेपी शर्मा बताते हैं कि सेब हिमाचल प्रदेश की अर्थव्यवस्था का अहम हिस्सा है। यह प्रदेश की जीडीपी में 5,000 करोड़ रुपए का योगदान करता है। 1.12 लाख उत्पादक सेब बागवानी से जुड़े हैं।

एसबीआई का मुनाफा 55 फीसदी बढ़कर 6,504 करोड़ रुपए हुआ

ब्याज से होने वाली कमाई भी 4 फीसदी बढ़ी

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

देश के सबसे बड़े सरकारी बैंक SBI ने पहली तिमाही के नतीजे जारी कर दिए हैं। स्टेट बैंक को अप्रैल से जून के दौरान 6,504 करोड़ रुपए का मुनाफा हुआ है। यह पिछले साल की समान तिमाही में 4,189.34 करोड़ रुपए था। यानी बैंक का मुनाफा सालाना आधार पर 55.25 फीसदी बढ़ा है।

ब्याज से होने वाली कमाई लगभग 4 फीसदी बढ़ी:- एक्सचेंज फाइलिंग के मुताबिक बैंक का ऑपरेटिंग प्रॉफिट भी 5 फीसदी बढ़कर 18,975 करोड़ रुपए रहा, जो साल भर पहले 18,061 करोड़ रुपए रहा था। बैंक की ब्याज से कमाई (हृद्बद्ध) 3.74 फीसदी बढ़ी है। यह जून तिमाही में 27,638 करोड़ रुपए रही, जबकि साल भर पहले की समान तिमाही में 26,641 करोड़ रुपए थी। SBI की अन्य इनकम भी बढ़कर 11,802.7 करोड़ रुपए रही, जो साल भर पहले 7,957.5 करोड़ रुपए रही थी। इसके अलावा बैंक का डिपॉजिट 8.82 फीसदी बढ़ा है।

बैंक के शेयरों में रिकॉर्ड तेजी: - BSE पर SBI का शेयर 3.57 फीसदी ऊपर 462.40 रुपए पर कारोबार कर रहा है। कारोबार के दौरान शेयर 463.55 रुपए तक भी पहुंचा, जो एक साल का हाइएस्ट लेवल है। रिकॉर्ड रैली से बैंक का मार्केट कैप भी पहली बार 4 लाख करोड़ रुपए का पार पहुंच गया है। इससे पहले HDFC बैंक, ICICI बैंक और कोटक महिंद्रा बैंक का मार्केट कैप 4 लाख करोड़ रुपए का लेवल पार कर चुंके हैं।

विनिर्माण क्षेत्र ने जुलाई में पकड़ा जोर, तीन महीनों की सबसे तेज वृद्धि

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

मांग में सुधार और कोविड-19 के स्थानीय प्रतिबंधों में ढील के बीच भारत के विनिर्माण क्षेत्र की गतिविधियों में जुलाई 2021 में पिछले तीन महीनों की सबसे तेज वृद्धि देखी गई। एक मासिक सर्वेक्षण ने सोमवार को यह बात कही गई। मौसमी रूप से समायोजित आईएचएस मार्किट भारत विनिर्माण क्रय प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) जून के 48.1 अंक से बढ़कर जुलाई में 55.3 अंक हो गया, जो तीन महीनों में सबसे मजबूत वृद्धि दर है। पीएमआई के तहत 50 से अधिक अंक का अर्थ है कि गतिविधियों में विस्तार हो रहा है, जबकि 50 से नीचे का अंक संकुचन को दर्शाता है।

आईएचएस मार्किट में अर्थशास्त्र की संयुक्त निदेशक पोलीन्ना डी लीमा ने कहा, ''भारतीय विनिर्माण उद्योग को जून में हुई गिरावट से उबरते हुए देखना उत्साहजनक है। उत्पादन तेज गति से बढ़ा और एक तिहाई से अधिक कंपनियों ने मासिक उत्पादन में बढ़ोतरी की बात कही।'' लीमा ने आगे कहा कि कैलेंडर वर्ष 2021 के दौरान औद्योगिक उत्पादन में 9.7 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि जुलाई में रोजगार के मोर्चे पर भी हालात में थोड़ा सुधार हुआ, हालांकि इस बारे में कुछ भी ठोस कहना अभी जल्दबाजी होगी।

देसी निवेशकों के दम पर निफ्टी 16 हजार के पार

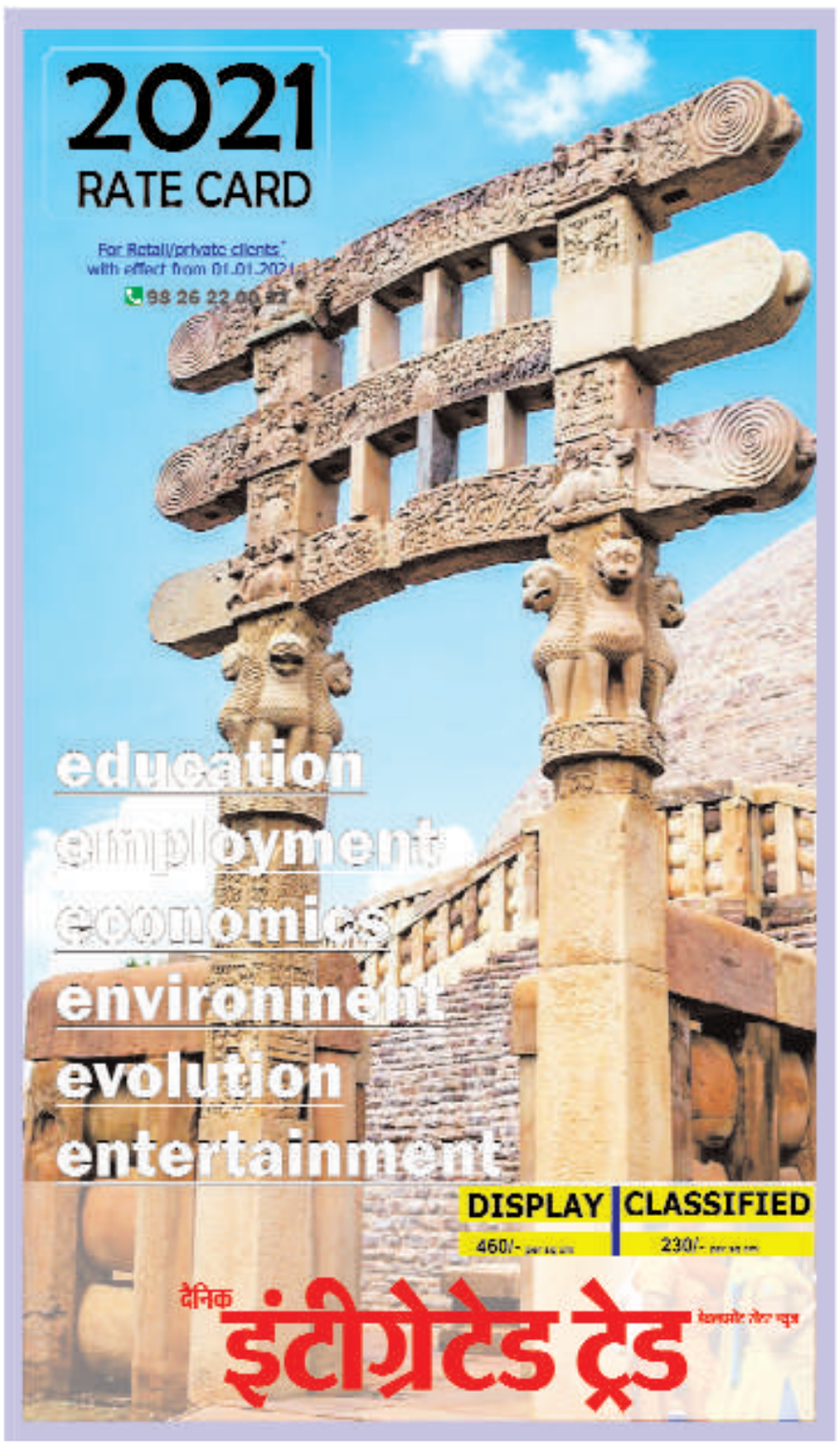

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

वैश्विक संकेतों और एचडीएफसी जैसे शेयरों में तेजी के दम पर बेंचमार्क सेंसेक्स और निफ्टी सूचकांक आज रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गए। देसी अर्थव्यवस्था के वृहद आंकड़ों में सुधार और लॉकडाउन में ढील से अर्थव्यवस्था तेजी से सुधरने की उम्मीद ने भी निवेशकों का मनोबल बढ़ाया है। निवेशकों के बढ़े हौसले के कारण सेंसेक्स 872 अंक (1.65 फीसदी) चढ़कर 53,823 के रिकॉर्ड उच्च स्तर पर बंद हुआ। 21 मई के बाद सेंसेक्स की यह सबसे बड़ी छलांग है। निफ्टी भी 238 अंक (1.55 फीसदी) की बढ़त के साथ पहली बार 16,000 के पार बंद हुआ। कारोबार की समाप्ति पर निफ्टी 16,123 के सर्वकालिक उच्च स्तर पर बंद हुआ। दिलचस्प है कि विदेशी निवेशकों की लगातार बिकवाली के बावजूद सूचकांकों में तेजी आई है। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने पिछले 12 कारोबारी सत्रों में से 11 में करीब 10,000 करोड़ रुपये के शेयर बेचे हैं। हालांकि आज उन्होंने 2,117 करोड़ रुपये की लिवाली की। बाजार के जानकारों का कहना है कि बाजार में हालिया तेजी देसी संस्थागत निवेशकों और खुदरा निवेशकों के दम पर आई है। एलकेपी सिक्योरिटीज में शोध प्रमुख एस रंगनाथन ने कहा कि वस्तु एवं सेवा कर संग्रह तथा निर्यात के आंकड़े बेहतर रहने से बाजार में तेजी आई है। निफ्टी के 16,000 के सफर में खुदरा निवेशकों का अहम योगदान रहा है। जुलाई में एफपीआई ने 14,088 करोड़ रुपये की बिकवाली की थी, जो मार्च 2020 के बाद सबसे अधिक है। मगर म्युचुअल फंडों ने 12,000 करोड़ रुपये से ज्यादा के शेयर खरीदकर इसकी भरपाई कर दी। अवेंडस कैपिटल पब्लिक मार्केट ऑल्टरनेट स्ट्रैटजीज के मुख्य कार्याधिकारी एंड्रयू हॉलैंड ने कहा, %एफपीओ की बिकवाली से कहीं ज्यादा स्थानीय निवेशकों ने बाजार में निवेश किया है।

पेट पर लात मारने वाला आंदोलनः लोगों की रोजी-रोटी छीनने वाला हरगिज नहीं हो सकता अन्नदाता

राजीव सचान

कृषि कानूनों के विरोध में जब किसान संगठन अपने लोगों के साथ सड़कों पर उतरे थे, तब उन्हें अन्नदाता कहकर संबोधित किया गया था-न केवल समर्थकों की ओर से, बल्कि सरकार की ओर से भी, लेकिन बीते आठ महीनों में किसान संगठनों ने आम नागरिकों के समक्ष जैसी समस्याएं खड़ी की हैं, उसे देखते हुए उन्हें मुसीबतदाता ही कहा जा सकता है। किसान संगठन न केवल दिल्ली की सीमाओं को घेरकर बैठे हैं, बल्कि उनके धरना-प्रदर्शन दिल्ली की सीमाओं के अलावा भी जारी हैं। उनके कारण भी लोगों को समस्याओं से दो-चार होना पड़ रहा है। संकट केवल यह नहीं कि लोगों को आने-जाने में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है, बल्कि यह भी है कि बहुत से लोगों की रोजी-रोटी के सामने भी संकट खड़ा हो गया है। दिल्ली से सटे बहादुरगढ़ के उद्योगों के सामने तो कहीं बड़ी मुसीबत खड़ी हो गई है। हाल की एक खबर के अनुसार बहादुरगढ़ के उद्योगों का कुल टर्नओवर करीब 80,000 करोड़ रुपये का है। किसान आंदोलन की वजह से उन्हें अब तक करीब 20,000 करोड़ रुपये का नुकसान हो चुका है।

बहादुरगढ़ के उद्यमियों की मानें तो दिल्ली को जोड़ने वाला टिकरी बार्डर बंद होने से इस क्षेत्र की फैक्ट्रियों के वाहनों को खेतों के कच्चे रास्ते से होकर दिल्ली जाना पड़ता है। इस रास्ते से एमसीडी को टोल देना पड़ता है और रास्ता देने के लिए खेतों के मालिकों को प्रति वाहन सौ-सौ रुपये भी। अब बारिश के कारण खेतों के रास्ते में पानी भर गया है और वाहनों का निकलना मुश्किल हो गया है। बावजूद इसके किसान संगठन सड़क खाली करने को तैयार नहीं। बहादुरगढ़ चैंबर आफ कामर्स एंड इंडस्ट्रीज के अनुसार किसान संगठनों की रास्ताबंदी के कारण करीब सात लाख लोगों का रोजगार प्रभावित हो रहा है। करोड़ों रुपये के राजस्व का नुकसान अलग से हो रहा है। इसके अलावा लोगों के लिए टिकरी बार्डर आना-जाना भी दूभर है। यही कहानी सिंघु बार्डर पर भी है। दिल्ली-हरियाणा को जोड़ने वाली यहां की सड़क पर कब्जा होने की वजह से आसपास के लगभग 40 गांवों के लोग परेशान हैं, लेकिन उनकी कहीं कोई सुनवाई नहीं हो रही है। इसी तरह उनकी भी नहीं सुनी जा रही, जो गाजीपुर बार्डर यानी यूपी गेट बाधित होने से आजिज आ चुके हैं। सड़कों को बाधित करना गुंडागर्दी के अलावा और कुछ नहीं, लेकिन क्षोभ और लज्जा की बात यह है कि न तो पुलिस के कान पर जूं रेंग रही है, न सरकार के और न ही उस सुप्रीम कोर्ट के, जिसने कहा था कि सार्वजनिक स्थलों पर अनिश्चितकाल के लिए कब्जा नहीं किया जा सकता।

तथाकथित अन्नदाता किस तरह लोगों के पेट पर लात मारने का काम अन्यत्र भी कर रहे हैं, इसका एक और उदाहरण है लुधियाना में अदाणी समूह की ओर से अपने लाजिस्टिक पार्क को बंद किया जाना। इस पार्क का उद्देश्य पंजाब के उद्योगों को आयात और निर्यात के लिए रेल और सड़क मार्ग से कार्गो सेवा उपलब्ध कराना था। इस साल जनवरी में कृषि कानूनों के विरोध में किसान संगठनों ने लाजिस्टिक पार्क के बाहर ट्रैक्टर ट्राली लगाकर रास्ता बंद कर दिया। यह काम इस दुष्प्रचार की आड़ में किया गया कि कृषि कानूनों से तो असल फायदा अदाणी और अंबानी को होगा। प्रदर्शनकारियों की घेराबंदी के कारण लाजिस्टिक पार्क का काम ठप हो गया। कंपनी की तरफ से पंजाब सरकार को कई बार धरना हटाने के लिए कहा गया, लेकिन प्रदर्शनकारियों को उकसाने और बरगलाने वाली सरकार ने इस पर कोई ध्यान नहीं दिया। मजबूरी में अदाणी समूह ने हाईकोर्ट की शरण ली। हाईकोर्ट ने अमरिंदर सरकार को इस मामले का हल निकालने के आदेश दिए, लेकिन उसने कुछ नहीं किया। थक-हारकर अदाणी समूह ने अपने इस पार्क को बंद करने का फैसला लिया। आखिर कोई कंपनी कब तक खाली बैठे लोगों को वेतन देती? लाजिस्टिक पार्क बंद करने के फैसले से चार सौ से अधिक लोगों की नौकरी चली गई। इसे इस तरह समझें कि तथाकथित अन्नदाताओं के कारण सैकड़ों लोगों के पेट पर लात पड़ गई। जो दूसरों के पेट पर लात मारने का काम करे, वह कुछ भी हो सकता है, पर अन्नदाता हरगिज नहीं हो सकता।

किसानों की आड़ में राजनीति चमकाते लोग: किसी को इस मुगालते में नहीं रहना चाहिए कि किसान संगठनों और कुछ राजनीतिक दलों के बहकावे में आकर सड़कों पर बैठे लोग आम किसान हैं। ये किसान नहीं, छुटभैये नेता, फुरसती लोग या फिर आदतन आंदोलनबाज हैं, जिन्हें किसानों का नेता बताया जा रहा है, वे भी वास्तव में किसान नेता नहीं, बल्कि किसानों की आड़ में अपनी राजनीति चमकाने और नेतागीरी का शौक पालने वाले लोग हैं। शायद ही कोई किसान नेता ऐसा हो, जो सचमुच खेती-किसानी का काम करता हो। आखिर योगेंद्र यादव जैसे लोग किसान नेता कैसे हो सकते हैं? किसान नेता और उन्हें हवा दे रहे राजनीतिक दल कुछ भी दावा करें, यह निरा झूठ है कि आम किसान धरने पर बैठा हुआ है। आम किसानों के पास न तो इतना समय है कि वह अपना काम-धाम छोड़कर धरने पर बैठा रहे और न ही वह इतना निष्ठुर-निर्दयी हो सकता है कि जाने-अनजाने औरों की रोजी-रोटी छीनने का काम करे। चूंकि कई लोग और समूह राजनीतिक कारणों अथवा अन्य किसी स्वार्थवश कृषि कानून विरोधी आंदोलन को आर्थिक-मानसिक खुराक देने में लगे हुए हैं।

संपादकीय

370 की समाप्ति के दो सालःकश्मीर को जन्नत बनने का इंतजार

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अनेक फैसले अचानक और बगैर पर्याप्त सलाह-मशविरे या लोगों को विश्वास में लिए बगैर लिए हैं। धारा 370 को हटाना भी उनमें से एक है। इसके पीछे उनका और उत्साह एवं राजनैतिक सोच का योगदान अधिक है जो चुनावी समीकरणों ओर ध्रुवीकरण की दिशा में निरंतर सोचता रहता है। यह फैसला देश की एकता एवं अखंडता को प्रभावित करने वाला कदम है। धारा 370 हटाने से जो दूरियां बनी हैं, उन्हें दूर करने की दिशा में प्रभावशाली कदम उठाए जाने होंगे।

केन्द्र सरकार द्वारा जम्मू-कश्मीर को विशेष राज्य का दर्जा देने वाली धारा 370 के हटने के दो वर्ष पूरे हो चुके हैं। इस धारा को हटाने पर कहा तो यह गया था कि कश्मीर को स्वर्ग बनाया जायेगा, लेकिन वास्तविकता तो यह है कि इस काल में उसके तीन टुकड़ों (कश्मीर, जम्मू एवं लद्दाख) में विभाजित होने के साथ ही कश्मीर लोकतंत्र और नागरिक आजादी की दृष्टि से जन्नत की बजाय दोज़ख में बदल दिया गया है।

दो साल के बाद अगर हम देखें तो कुछ प्रशासनिक कदमों एवं कानून-व्यवस्था के मुद्दों के साथ स्थिति इसलिए लगभग वहीं की वहीं है क्योंकि वहां की राजनैतिक पार्टियां अब भी धारा 370 की बहाली की बात कर रही हैं और सरकार उन्हें राज्य का दर्जा देने में अब तक नाकाम रही है। हालांकि उसका वायदा केन्द्र सरकार ने अवश्य किया है। सरकार नये सिरे से परिसीमन के बाद विधानसभा के चुनाव कराना चाहती है जिसके चलते वहां के सियासी दलों को लगता है कि इससे जनसांख्यिकीय बदलाव संभावित है।

सबसे बड़ी बात तो यह है कि यह सरकार वहां के लोगों के दिल जीतने में अब तक नाकाम रही है। धारा 370 हटाने के बाद ही बड़ी संख्या लम्बे समय तक लोगों और कश्मीरी नेताओं को गिरफ्तार करने या नज़रबंद रखने, इंटरनेट सेवाएं खंडित कर वहां के नागरिकों के देश-दुनिया से काटने, आम जनता की सड़कों पर मुक्त आवाजाही को प्रतिबंधित करने जैसे कदम उठाकर सरकार ने लोगों का विश्वास खो दिया है। फिर, 370 हटाने के बाद जिस तरह से सत्तारुढ़ दल के समर्थकों या सदस्यों ने वहां के नागरिकों के संबंध में अपमानजनक टिप्पणियां कीं, उससे भी स्थानीयों और अन्य प्रदेशों के लोगों के बीच दूरियां बढ़ी हैं। श्रीनगर के डल झील के किनारे प्लॉट खरीदने से लेकर वहां की लड़कियों से शादी कर कश्मीर में ससुराल बनाने की भद्दी बातें कही गई थीं। उन्हें भुला पाना किसी भी इंसान के लिए कठिन है। न केवल सरकार बल्कि समस्त देशवासियों द्वारा उनके दिलों पर मरहम लगाने की ज़रूरत है। 5 अगस्त, 2019 को धारा 370 हटाने के बाद इसी साल 24 जून को पहली बार जम्मू-कश्मीर के नेताओं और नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के बीच आमने-सामने की जो बातें हुईं उससे स्पष्ट हो गया है कि आज भी दोनों ही पक्ष लगभग वहीं खड़े हैं, जहां पहले थे। बल्कि इस बीच कश्मीरियों पर जो पाबंदियां लगाई गईं वे लोकतंत्र के लिहाज से कतई उचित नहीं थीं। कश्मीर में अभी भी बड़े पैमाने पर सुरक्षा बल तैनात है और वहां लम्बे समय तक इंटरनेट सेवाएं बंद कर दी गई थीं। वर्तमान में भी कश्मीर की स्थिति कोई बहुत अच्छी नहीं है। पर्यटन उद्योग को मिले झटके से लोगों के सामने रोजी-रोटी का संकट बना हुआ है। सरकार को चाहिये कि इस ओर भी तत्काल ध्यान दे। धारा 370 हटाने का एक उद्देश्य कश्मीरी पंडितों को वापस बसाना भी बतलाया गया था। जिन लोगों ने 370 को हटाने पर केन्द्र सरकार की वाहवाही की थी, उन्हें पूछना चाहिये कि इन दो वर्षों में कितने पंडित वापस कश्मीर में बसाये जा सके हैं। सरकार ने वहां कई मंदिरों का पुनरुद्धार ज़रूर किया है लेकिन यह कोई ऐसा कारण नहीं हो सकता कि कश्मीरी पंडित अपने गृह प्रदेश में लौट सकें। आखिरकार, पूर्ण सुरक्षा और रोजगार की गारंटी जब तक नहीं होगी, सरकार अपने इस उद्देश्य में कामयाब नहीं हो पायेगी। 370 के हटने से सीमा पार से आतंकवादी घटनाओं पर रोकथाम में मदद मिलने की भी बात कही गई थी, पर वह भी खोखली साबित हुई है। वैसे तो नोटबंदी लागू करते समय भी कहा गया था कि इससे जम्मू-कश्मीर में होने वाली घुसपैठ की घटनाओं को रोका जा सकेगा। तब की ही तरह इस मामले में भी यह दावा गलत साबित हुआ है क्योंकि सीमा पार से फायरिंग की घटनाएं अब भी होती रहती हैं। इसी बीच 31 अक्टूबर, 2020 को केन्द्र सरकार ने राज्य को तीन हिस्सों में बांट दिया था। इसके अनुसार जम्मू एवं कश्मीर में तो विधानसभाएं रहेंगी लेकिन लद्दाख को केन्द्र शासित प्रदेश (यूटी) बनाने की बात कही गई। जम्मू और कश्मीर के लोग जल्दी ही राज्य का दर्जा वापस चाहते हैं।

खेलकूद में जीत के आगे भारतीय महिलाओं की स्थिति

किसी ने हॉकी के लिये घर छोड़ा तो किसी ने समाज से टक्कर ली। फिर वही चक दे इंडिया का संदर्भ, जिसमें कोच कबीर खान कहता है कि %तुम्हारा मुकाबला हर उस शख्स से है जिसने तुम्हें हॉकी खेलने से रोका था। 2007 में आई इस फिल्म को पुरुष वर्चस्व के खिलाफ जो कहना था, वह तो उसने कह दिया परन्तु आज यह साफ है कि महिलाओं की चयन की आजादी के मामले में हम आज भी वहीं खड़े हैं, जहां चक दे इंडिया की लड़कियों का समाज खड़ा था। इस खेल की खिलाड़ियें ज्यादातर उन राज्यों से आती हैं जो लैंगिक अनुपात के मामले में सबसे खराब समाज हैं। वहां उन्हें दोयम दर्जा हासिल है। अब चक दे... फिल्म चाहे सुपर-डुपर हिट रही हो पर सच्चाई तो यही है कि भारत का समाज तकरीबन उसी स्थान पर खड़ा है।

पूरा देश इस समय टोक्यो ओलिम्पिक-2020 में हॉकी टूर्नामेंट के सेमी फाइनल में महिला टीम के पहुंचने से गदगद है। परम्परागत व सोशल मीडिया में तीन बार की चैंपियन आस्ट्रेलिया पर जीत के बाद हमारी टीम सदस्यों पर जो लाड़-दुलार बरस रहा है, वह अपेक्षित भी है। कामना तो सबकी यही है कि वे सोना गले में डलवाकर लौटें। बहरहाल, यह खेल है जिसमें हर कोई जीतना चाहता है। उनकी हमेशा जीत की कामना के साथ ही इसके आगे भी देखे जाने की जरूरत है। महिला टीम के कोच नीदरलैंड के श्योर्ड मरिने ने इस जीत पर जो कहा, वह बड़ी मार्के की बात है जो हर किसी को नोट करनी चाहिये। उन्होंने कहा- %हम सोच रहे थे कि महिलाओं के लिए बड़ा लक्ष्य क्या है और यह केवल पदक जीतने को लेकर नहीं है। यह भारत में महिलाओं, खासकर युवा लड़कियों को प्रेरित करने और उनकी स्थिति में सुधार के बारे में है।

स्थिति में सुधार, संभवतः यही वह बात है जो इस समय सर्वाधिक विचारणीय है। क्या श्योर्ड केवल खेल में महिलाओं की स्थिति में सुधार की बात कर रहे हैं? या वे भारत में महिलाओं की समग्र हालत की ओर इशारा कर रहे हैं? संभवतः लम्बे समय से लड़कियों को प्रशिक्षण देते हुए कोच को पहले उनकी निजी जिंदगियों, परिवारों और फिर समग्र भारतीय समाज में औरतों के स्थान को लेकर काफी कुछ पता चला होगा। लैंगिक समानता के मामले में एक अग्रणी मुल्क से आये प्रशिक्षक ने यह पाया होगा कि इन लड़कियों को गैरबराबरी के चलते हॉकी के मैदानों

तक पहुंचने या स्टिक पकड़ने के लिये जमाने भर से दुश्मनी लेनी पड़ी है। अगर उनका संकेत उस ओर न भी हो, तो जो भी स्त्रियों की दशा पर चिंता करते हैं उनके लिए यह अवसर जरूर है कि इस मुद्दे पर बात करें। जैसा घटनाक्रम टोक्यो ओलिंपिक में महिला हॉकी टीम के साथ हो रहा है, उसका नजारा करीब डेढ़ दशक पहले आई एक फिल्म %चक दे इंडिया% में था। वह कल्पित था, यह यथार्थ है। टूर्नामेंट में पहुंचने से लेकर पहले के तीन मैच हारने वाली टीम की ज्यादातर सदस्य भारत के लोगों के लिए गुमनाम सी थीं। लोग तो यह भी नहीं जानते थे कि इन टीमों को किसी राज्य ने स्पॉन्सर किया है। अनजान सी इन लड़कियों ने जब महिला हॉकी की बड़ी ताकत आस्ट्रेलिया को हराया तो अब उनकी एक-एक सदस्य की जानकारी गूगल से खोजकर निकाली जा रही है। कोई किसान की बेटी है तो कोई टूटे-फूटे छप्पर वाले घर में बड़ी हुई है।

किसी ने हॉकी के लिये घर छोड़ा तो किसी ने समाज से टक्कर ली। फिर वही चक दे इंडिया का संदर्भ, जिसमें कोच कबीर खान कहता है कि %तुम्हारा मुकाबला हर उस शख्स से है जिसने तुम्हें हॉकी खेलने से रोका था। 2007 में आई इस फिल्म को पुरुष वर्चस्व के खिलाफ जो कहना था, वह तो उसने कह दिया परन्तु आज यह साफ है कि महिलाओं की चयन की आजादी के मामले में हम आज भी वहीं खड़े हैं, जहां %चक दे इंडिया% की लड़कियों का समाज खड़ा था। इस खेल की खिलाड़ियें ज्यादातर उन राज्यों से आती हैं जो लैंगिक अनुपात के मामले में सबसे खराब समाज हैं। वहां उन्हें दोयम दर्जा हासिल है। अब चक दे... फिल्म चाहे सुपर-डुपर हिट रही हो पर सच्चाई तो यही है कि भारत का समाज तकरीबन उसी स्थान पर खड़ा है।

आज भी टोक्यो स्पर्धा में दो मैडल जीतने वाली पीवी सिंधु की जाति उसकी उपलब्धियों के मुकाबले गूगल पर अधिक सर्च की जाती है और भारतीय टेनिस की महारानी सानिया मिर्जा का खेल नहीं उसके कपड़े देखे जाते हैं।

इसलिए अब बात उससे आगे की करनी चाहिये। जब तक जीत और खेल का मैदान है, वे देश की बेटियां हैं, शक्तिस्वरूपा हैं, देवियां हैं। यह सब कुछ वे तभी तक हैं, जब तक कि समाज द्वारा निर्धारित एक रेखा के भीतर विचरण करती हैं। ऐसी बड़ी जीतों या उपलब्धियों के कारण उनका संघर्ष सामने आ जाता है। शेष समय वे स्कूल जाने, ऊंची तालीमें पाने, पढ़ने, खेलने या अपना सपना पूरा करने के लिए दूसरे शहर जाने, नौकरियां करने, अपनी पसंद का जीवन साथी चुनने या छोड़ने के लिए आजीवन जद्दोजहद करती हैं।

महिलाओं का अगर हमारे समाज में स्थान देखना हो तो हमारी राजनीति और समाज के शीर्ष पुरुषों के विचारों को सुन लेना काफी होता है, जो अब भी मानते हैं कि %औरत का जीवन चारदीवारी में है% या %बेरोजगारी बढ़ने का कारण महिलाओं द्वारा नौकरियां करना है।% समाज का संवाहक समाज ही गौरी लंकेश को गोलियां एवं बरखा दत्त को गालियां देता है। वह समाज जो लड़कियों को छोटे कपड़ों में नहीं देखना चाहता और महिला आरक्षण बिल को दशकों तक रोके रखता है।

खेलकूद में हार या जीत से आगे बढ़कर औरतों से संबंधित अन्य मुद्दों को देखने की ज़रूरत है; और उसका यह माकूल अवसर भी।

खेलों में खराब प्रदर्शन के लिये सरकार की खेल नीति जिम्मेदार

भारत में लगता है कि खेल प्राथमिकता में हैं ही नहीं। खेलों के लिए न सरकारी क्षेत्र में अधोसंरचना है और न ही निजी क्षेत्र में। भारत की हर सरकार खेलों को शायद अनुत्पादक चीज समझती है क्योंकि खिलाड़ी किसी देश को सिवाय सम्मान के और क्या देता है? भारत को खेलों के जरिए सम्मान हासिल करने का मानो कि कोई शौक ही नहीं है। हमारे विजेताओं की जो कहानियां आजकल अखबारों में आ रहीं हैं। 23 जुलाई से शुरू हुए 32वें ओलम्पिक की करीब 500 स्पर्धाओं में भाग लेने दुनिया भर के 200 से अधिक देशों के खिलाड़ी जापान की राजधानी टोक्यो में हैं। खेलों के एक सप्ताह बाद जो परिणाम सामने आये हैं उन्हें देखकर ऐसा बिलकुल नहीं लगता कि हम खेलों के क्षेत्र में कभी भी विश्वगुरु बन पाएंगे। सवाल यह है कि भारत के निराशाजनक प्रदर्शन के लिए खिलाड़ियों को जिम्मेदार माना जाये या फिर देश के कर्णधारों को? खेलों के क्षेत्र में भारत दशकों से चीन और अमेरिका की बराबरी करना तो दूर उनके आगे-पीछे भी नजर नहीं आता, जबकि डींग मारने में भारत सबसे आगे रहता है। भारत में संगीत, नृत्य और खेलों में गुरु-शिष्य परम्परा का बोलबाला रहा है। हम अपने बच्चों को द्रोणाचार्य और एकलव्य की कहानियां पढ़ा-सुनाकर प्रेरित करते हैं किन्तु असल जिंदगी में हमने अपने गुरुकुल सियासत के आगे समर्पित कर दिए हैं। रत में जितनी भी खेल संस्थाएं हैं उनमें कुछ अपवादों को छोड़कर सभी पर नेताओं का कब्जा है। नेताओं को

फुरसत नहीं है तो उनके बेटे, भाई,भतीजे इन संस्थाओं पर काबिज हैं। नतीजा एक बार फिर हमारे सामने है। ओलम्पिक खेलों की पदक सूची में भारत फ़िलहाल 62वें स्थान पर है। खेलों की दुनिया में हमारी स्थिति भारत के जनजातीय समाज जैसी है। इसके लिए हम देश की आबादी को ढाल या कारण नहीं बना सकते। आबादी तो चीन की हमसे ज्यादा है लेकिन चीन हमेशा से नंबर एक या दो ही रहता आया है। जाहिर है कि हम सियासत के खेल के अलावा कोई दूसरा खेल न खेलना जानते हैं और न ही खेलना चाहते हैं। प्रतिस्पर्धाएं तो दूर की बात हैं। इस समय दुनिया में चीन, अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया जैसे देश पिछले अनेक दशकों से काफी आगे हैं और हमारी तमाम योजनाएं हमें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नंबर एक, दो, तीन तो छोड़िये नंबर दस तक में शामिल करने में समर्थ नहीं हैं। भारत के लिए ओलम्पिक खेल कोई नयी प्रतिस्पर्धा नहीं है। भारत बीसवीं सदी के शुरू से ही यानि सन् 1900 से इस खेल में शामिल होता आ रहा है किन्तु दुर्भाग्य यह है कि बीते 120 वर्षों में भी भारत उस मुकाम को हासिल नहीं कर पाया जो उसे मिलना चाहिए था। भारत ने वर्ष 1900 के पेरिस ओलम्पिक प्रतियोगिता में हिस्सा लेना प्रारंभ किया था, तब नॉर्मन पिट्चर्ड ने भारत की तरफ से दौड़ प्रतियोगिता में भाग लिया था और 2 रजत पदक जीते थे। 2016 के ओलम्पिक खेलों की पदक तालिका में हम 67वें स्थान पर थे। 2012 में हमारा स्थान 57वां था। हमें स्वर्ण पदक मिल जाये तो सातवां आश्चर्य होता है क्योंकि हम भारतीय रजत और कांस्य पदक को ही अपनी सबसे बड़ी उपलब्धि समझ बैठे हैं। अपने अतीत पर नजर डालें तो आप पाएंगे कि 2016 के ग्रीष्मकालीन ओलंपिक शुरु होने तक भारत के खाते में कुल 26 पदक थे, जो कि सभी ग्रीष्मकालीन खेलों में जीते गए थे। शीतकालीन खेलों में पदक जीतने में भारत को अभी तक सफलता नहीं मिली है। 1920 और 1980 तक के लम्बे समय में ओलंपिक में भारत की राष्ट्रीय हॉकी टीम का दबदबा रहा। इस बीच हुए हुए 12 खेलों में से भारत ने 11 पदक जीते थे, जिनमें 8 स्वर्ण पदक थे। 1928-1956 तक छह स्वर्ण पदक लगातार जीते थे। जाहिर है कि चाहे कोई प्रधानमंत्री रहा हो भारत के खिलाड़ियों में वह जोश नहीं भर सका जो चीन, अमेरिका और जापान जैसे देशों के ही नहीं अपितु कुछ हजार की आबादी वाले छोटे देशों के खिलाड़ियों के पास है। भारत में लगता है कि खेल प्राथमिकता में हैं ही नहीं।

संकट समाधान का हिस्सा बने विपक्षः पहले विपक्ष संसद के विशेष सत्र की मांग कर रहा था, लेकिन अब दोनों सदनों को किए है ठप

विपक्ष एक बार फिर देश को निराश कर रहा है। पिछले छह महीने से संसद का सत्र बुलाने और कोरोना संकट सहित तमाम विषयों पर विस्तृत चर्चा की रट लगाने के बाद जब संसद का सत्र वास्तव में चल रहा है तो विपक्ष ने एक दिन भी कार्यवाही में शामिल होने की दिलचस्पी नहीं दिखाई। यही नहीं, विपक्षी नेताओं ने यह साफ कर दिया है कि उनकी ओर से यह पूरा सत्र वाशआउट यानी धुल चुका है। ऐसी गैर जिम्मेदाराना राजनीति में देश की सबसे पुरानी पार्टी कांग्रेस सबसे आगे है। मई की शुरुआत में लोकसभा में कांग्रेस के नेता अधीर रंजन चौधरी ने राष्ट्रपति से मांग की थी कि फौरन संसद का विशेष सत्र आहूत करें। तब कांग्रेस नेता ने कहा था कि सत्र बेहद आवश्यक है, क्योंकि सभी राज्यों से आने वाले तमाम सांसद अपने-अपने क्षेत्र में कोरोना संकट को लेकर उत्पन्न स्थिति के बारे में कुछ न कुछ कहना चाहते हैं। वे लोगों को कोरोना संकट से निजात दिलाने के लिए समाधान चाहते हैं। कांग्रेस के 'नए मित्र' शिवसेना के सांसद संजय राउत ने भी विशेष सत्र की मांग दोहराई थी। जब सरकार की ओर से यह आग्रह किया गया कि पूरा सरकारी तंत्र कोरोना की दूसरी लहर को काबू करने में जुटा है और संसद सत्र में लोगों का जुटना खतरे से खाली नहीं तो विपक्ष ने कई दिनों तक इस पर तीखी बयानबाजी की थी। सत्र का आगाज हुए दो सप्ताह से ज्यादा का समय हो चुका है। जो विपक्ष कोरोना की दूसरी लहर में अप्रत्याशित संकटों के बीच सत्र के लिए राष्ट्रपति से गुहार लगा रहा था उसने अब तक एक दिन भी कामकाज चलने नहीं दिया है। सत्र के पहले दिन जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संसद में विपक्षी दलों के नेताओं को कोरोना के खिलाफ चल रही लड़ाई, सरकार के उपायों और भविष्य की तैयारियों का ब्योरा देने के लिए एक विशेष बैठक का आमंत्रण दिया तो कांग्रेस सहित कुछ और दलों के नेताओं ने कहा कि जब सत्र शुरू हो गया है तो अलग से बैठक क्यों? जो कहना है सरकार को संसद के पटल पर ही कहना चाहिए। इससे ही साबित हो गया था कि विपक्ष संसद सत्र को लेकर कितना गंभीर है? जबकि कोरोना पर सर्वदलीय बैठक का सुझाव भी कांग्रेस की तरफ से ही आया था। यह गंभीरता तब काफूर हो गई, जब पहले सप्ताह में ही 'विद्वानों का सदन' कहे जाने वाले राज्यसभा में एक वरिष्ठ मंत्री के हाथ से छीनकर कागज फाड़े गए। लोकसभा में तो स्थिति यहां तक पहुंच गई कि विपक्षी सदस्य अध्यक्ष पर कागज के टुकड़े फेंकने लगे। गैलरी में बैठे पत्रकारों की ओर भी कागज फाड़कर उछाले गए। वे सदन की कार्यवाही का ब्योरा नोट करने वाले अधिकारियों को भी प्रताड़ित करने से नहीं चूके।

कवीता

मीनाक्षी शर्मा
भोपाल

धरती तृप्त तृप्त हुयी ,
रज कण शांत शांत है ।
पवन भी सुरमई बहे है ,
तपन जो कम हुयी है ।

मेघ भी भरे भरे जो
बगुले से पक्तिबद्ध है ,
शिखरों पर रूके रूके जो
विश्राम कर चलते चले है।

नदियाँ भी बह रही है ,
बादल बरसते है जब ,
मतवाले हाथी चिघाडते है
सुशोभित होरहा ,वनप्रांत है ।

मोरनी नाचती है जब ,
विरह से सोचती प्रेयसी ,
याद कर अपने प्रीतम को
कहा हो , अब चले आओ ।

भवरों का मधुर है गुजंन
वीणा सा गान गा रहा ।
गरजते है, जब ये बादल ,
मृदंग की धुन निकलती है,

सुशोभित होकर वनप्रांत
मधुर संगीत गा रहा है ।
पवन भी सुरमई होकर ,
मधुर गुणगान गा रहा है ।

ढका आकाश भी तम से ,
दिखे तारे न, सूरज भी ।
धरती भी नव.जल से तृप्त है
दिशायें है सभी तम मे ,
नही कोई प्रकाश पुंज है ।

रंग दे बसंती के लिए ऋतिक रोशन को मनाने घर तक पहुंच गए थे *आमिर खान*

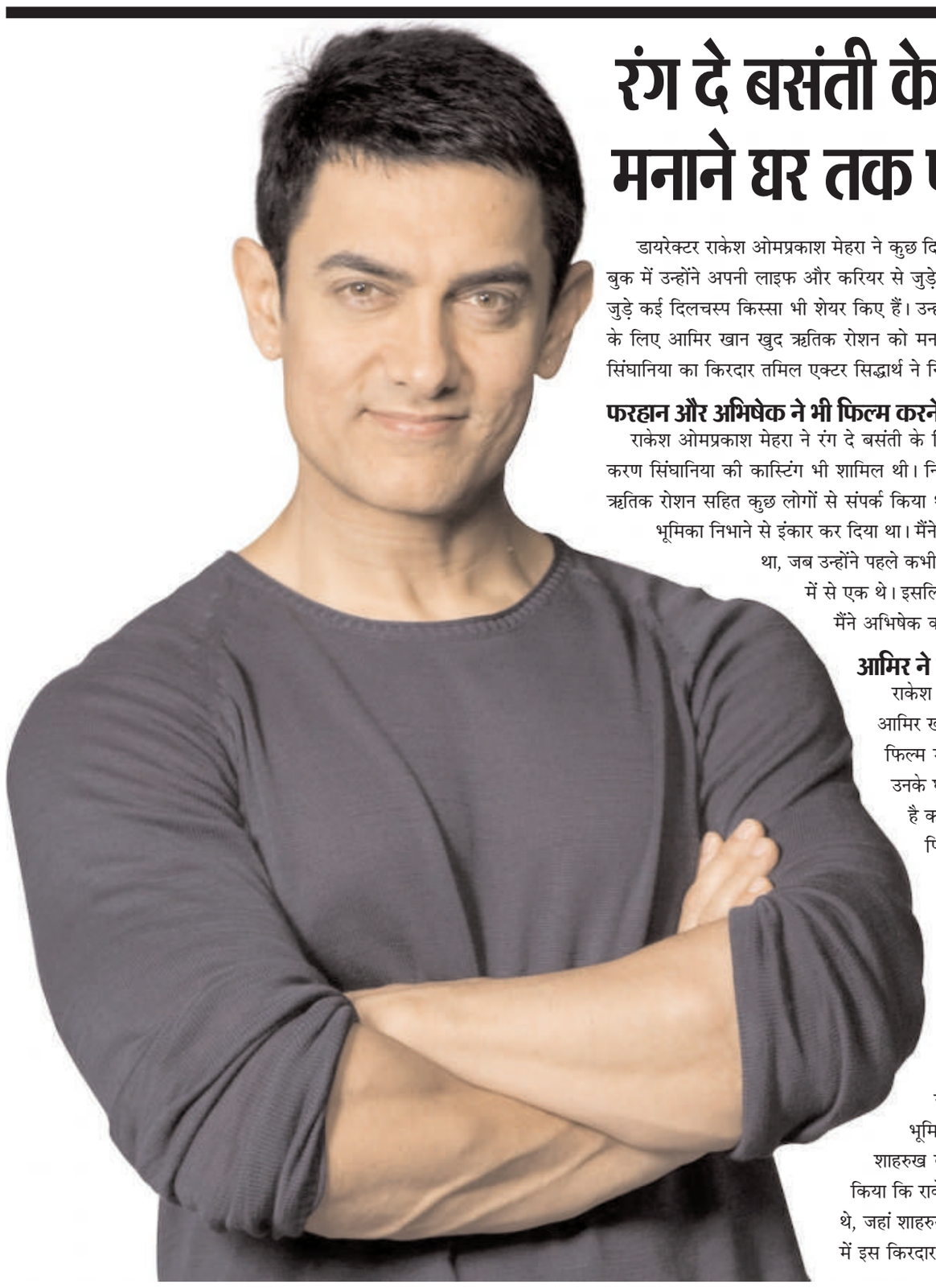

डायरेक्टर राकेश ओमप्रकाश मेहरा ने कुछ दिनों पहले ही अपनी ऑटोबायोग्राफी द स्ट्रेंजर इन द मिरर लॉन्च की है। इस बुक में उन्होंने अपनी लाइफ और करियर से जुड़े कई बड़े खुलासे किए हैं। राकेश ने बुक में अपनी फिल्म रंग दे बसंती से जुड़े कई दिलचस्प किस्सा भी शेयर किए हैं। उन्होंने यह भी खुलासा किया है कि रंग दे बसंती में करण सिंघानिया के रोल के लिए आमिर खान खुद ऋतिक रोशन को मनाने उनके घर गए थे। हालांकि, ऋतिक नहीं माने थे और फिल्म में करण सिंघानिया का किरदार तमिल एक्टर सिद्धार्थ ने निभाया था।

फरहान और अभिषेक ने भी फिल्म करने से कर दिया था मना

राकेश ओमप्रकाश मेहरा ने रंग दे बसंती के निर्माण के दौरान आने वाली चुनौतियों के बारे में बताया। उनमें से एक में करण सिंघानिया की कास्टिंग भी शामिल थी। निर्देशक ने खुलासा किया कि उन्होंने फरहान अख्तर, अभिषेक बच्चन और ऋतिक रोशन सहित कुछ लोगों से संपर्क किया था। उन्होंने बुक में बताया, हर जाने-माने अभिनेता ने करण सिंघानिया की भूमिका निभाने से इंकार कर दिया था। मैंने पहली बार फरहान अख्तर को इसकी पेशकश की थी। यह एक ऐसा समय था, जब उन्होंने पहले कभी किसी फिल्म में एक्टिंग नहीं की थी और वे सबसे सम्मानित युवा निर्देशकों में से एक थे। इसलिए जब मैंने उन्हें इस रोल के लिए ऑफर किया तो वे हैरान हो गए थे। जब मैंने अभिषेक को किरदार के बारे में बताया, तो उसने भी मुझे मना कर दिया था।

आमिर ने ऋतिक से कहा था-यह एक अच्छी फिल्म है कर ले

राकेश ओमप्रकाश मेहरा ने आगे कहा, अभिषेक के मना करने के बाद फिर मैंने आमिर खान से ऋतिक रोशन के साथ बात करने के लिए अनुरोध किया था। आमिर फिल्म में करण सिंघानिया की भूमिका के लिए ऋतिक रोशन को मनाने के लिए उनके घर भी गए थे। उन्होंने ऋतिक से जाकर कहा था कि यह एक अच्छी फिल्म है कर ले। लेकिन, ऋतिक रोशन भी नहीं माने थे। इसके बाद जनवरी 2005 में फिल्म की शूटिंग से एक महीने पहले सिद्धार्थ को करण सिंघानिया की भूमिका के लिए फाइनल किया गया था। सिद्धार्थ ने इससे पहले कभी हिंदी फिल्म नहीं की थी।

फिल्म के लिए शाहरुख खान को भी किया गया था अप्रोच

राकेश ने कहा, हमने सिद्धार्थ की तमिल फिल्म बॉयज देखी थी। ओम पुरी, अनुपम खेर, किरण खेर, मोहन अगाशे और केके रैना जैसे ऐक्टर्स सभी अपनी ऐक्टिंग में उस्ताद हैं। सभी कलाकारों के योगदान की वजह से हम इतनी शानदार फिल्म बनाने में कामयाब हो पाए। इससे पहले राकेश यह भी खुलासा कर चुके हैं कि उन्होंने फ्लाइट लेफ्टिनेंट अजय राठौड़ की भूमिका के लिए शाहरुख खान को अप्रोच किया था। उन्होंने कहा था कि शाहरुख के पास डेट नहीं थे। वे काफी बिजी थे। अपने किताब में उन्होंने खुलासा किया कि राकेश, शाहरुख को इस फिल्म में साइन करने के लिए अमेरिका तक चले गए थे, जहां शाहरुख %स्वदेस% की शूटिंग कर रहे थे। लेकिन, डेट की तंगी की वजह से बाद में इस किरदार को साउथ के सुपरस्टार आर माधवन ने निभाया था।

अर्जुन कपूर ने बताई जाह्नवी के नहाने से जुड़ी एक अजीब आदत, भाई-बहनों ने खोली एक-दूसरे की पोल

अर्जुन कपूर और जाह्नवी रीसेंटली एक मैगजीन के कवर पर साथ नजर आए थे। अब दोनों ने साथ बैठकर मजेदार रैपिड फायर किया है। अर्जुन ने इस वीडियो को टाइटल दिया है बक-बक विद बाबा। वीडियो काफी मजेदार है। जान्हवी और अर्जुन ने इसमें अपने बारे और एक-दूसरे के बारे मजेदार बातें बताई हैं। अर्जुन ने ये भी बताया है कि जाह्नवी सूटकेस लेकर घूमती हैं और कहीं भी शॉवर लेने लगती हैं।

अर्जुन हैं ज्ञानी बाबा, देते हैं अडवाइस

जाह्नवी कपूर और अर्जुन कपूर करण जौहर के टॉक शो कॉफी विद करण में साथ नजर आए थे। अब दोनों ने साथ बैठकर फिर से रैपिड फायर खेला। इसमें दोनों ने अपने बारे में कई बातें बताईं जैसे, जाह्नवी और अर्जुन दोनों को ही बीच पसंद है। अर्जुन कपूर काफी ज्ञान देते हैं और जाह्नवी को उनकी अडवाइस बुरी नहीं लगतीं। वहीं अर्जुन ने बताया कि जाह्नवी सूटकेस लेकर घूमती रहती हैं और दुनिया के किसी भी कोने में नहा सकती हैं। इस पर जाह्नवी ने भी हामी भरी और बोलीं, हां अगर आपके घर में बाथरूम है, मैं आ रही हूं शॉवर लेने।

जाह्नवी की वजह से अच्छा हुआ पिता से रिश्ता

रीसेंटली अर्जुन कपूर बता चुके हैं कि जाह्नवी और खुशी की वजह से उनके पिता बोनी कपूर से रिश्ते सुधरे हैं। ।ड्डह्म्श्चद्गह्म्%ह्य Bazaar India को दिए इंटरव्यू में उन्होंने कहा था कि मैं अपने पिता का जितना साथ जितना चाहता था, उतना नहीं मिला लेकिन जाह्नवी खुशी की वजह से वह बैरियर दूर हो गया। अब उनसे सच्चा रिश्ता बन गया।

4 शादियों के बाद भी अकेले थे किशोर कुमार, मिथुन के लिए बंद कर दिया था गाना

किशोर कुमार ने पहली शादी 1950 में रूमा घोष से की थी, लेकिन यह शादी 8 साल ही चली और 1958 में दोनों का तलाक हो गया था। यही नहीं कहा जाता है कि दोनों के अलग होने से पहले ही किशोर कुमार ने मधुबाला से शादी कर ली थी।

बॉलीवुड के दिग्गज सिंगर-एक्टर किशोर कुमार के काम को आज भी याद किया जाता है। उनका गाया हुआ हर गाना सुपरहिट है। उन्होंने फिल्म की हर विधा में अपना हाथ आजमाया और सफल साबित हुए। वह अपनी आवाज के अलावा शानदार व्यक्तित्व के लिए भी मशहूर थे। इसी के चलते कई फिल्मों में उन्होंने एक्टिंग भी की थी। इसके अलावा किशोर कुमार को उनकी बिंदास शख्सियत के लिए जाना जाता है। आज सिंगर किशोर कुमार के जन्मदिन के खास मौके पर आइए जानते हैं उनकी जिंदगी से जुड़ी कुछ दिलचस्प बातों के बारें में।

फिल्मी करियर

किशोर कुमार का जन्म 4 अगस्त 1929 को मध्यप्रदेश के खंडवा जिले में हुआ था। उनका असली नाम आभास कुमार गांगुली था। उन्हें बचपन से ही फिल्मों में काम करने का शौक था। इसलिए वह अपने भाई अशोर कुमार के नक्शे कदम पर चलने लगे। किशोर की पहली डेब्यू फिल्म साल 1946 में रिलीज हुई थी, जिसमें अशोक कुमार लीड एक्टर थे। बॉलीवुड की कई फिल्मों में काम करने के बाद किशोर म्यूजिक इंडस्ट्री में अपनी असली पहचान का छाप छोड़ा।

इस खूबी के लिए जाने जाते थे किशोर कुमार

बतौर गायक सबसे पहले उन्हें वर्ष 1948 में बाम्बे टाकीज की फिल्म जिद्दी में देवानंद के लिये %मरने की दुआएं क्यूं मांगू गाने का मौका मिला। सिंगर-एक्टर के अलावा किशोर कुमार म्यूजिक डायरेक्टर, लिरिक्स राइटर, प्रोड्यूसर और स्क्रीनराइटर भी रह चुके हैं। आपको जानकर हैरानी होगी कि किशोर महिलाओं की आवाज में भी गाना गाने में माहिर थे। गाना एक लड़की भीगी भागी सी में किशोर ने लड़का-लड़की की आवाज में गाना गाया था।

पर्सनल लाइफ-अफेयर-शादी

किशोर कुमार खुशमिजाज स्वभाव के थे, लेकिन निजी जिंदगी में वह अकेले ही रहे। भले ही उन्होने जिंदगी में 4 शादियां कीं, लेकिन अंदरुनी तौर पर वह अकेले ही रहे। किशोर कुमार ने पहली शादी 1950 में रूमा घोष से की थी, लेकिन यह शादी 8 साल ही चली और 1958 में दोनों का तलाक हो गया था। यही नहीं कहा जाता है कि दोनों के अलग होने से पहले ही किशोर कुमार ने मधुबाला से शादी कर ली थी। लेकिन मधुबाला दिल की मरीज थीं और परिवार के दबाव के चलते अलग रहने लगे थे। हालांकि किस्मत को कुछ और ही मंजूर था और 1969 में मधुबाला का निधन हो गया। इसके बाद 1976 में उन्होंगे योगिता बाली से शादी की थी, लेकिन 1978 में ही तलाक हो गया। किशोर कुमार ने चौथी शादी लीना चंदावरकर से की थी।

गुस्से में मिथुन की फिल्मों में बंद कर दिया था गाना

किशोर कुमार से जुड़ा एक और दिलचस्प किस्सा है। दरअसल उनकी तीसरी पत्नी योगिता बाली ने उनसे तलाक लेकर एक्टर मिथुन चक्रवर्ती से शादी कर ली थी। इसके चलते किशोर कुमार ने मिथुन चक्रवर्ती के लिए गाना भी छोड़ दिया था। करीब तीन सालों तक किशोर कुमार की मिथुन चक्रवर्ती से दूरी रही, लेकिन अंत में वह मिथुन चक्रवर्ती के लिए गाने को राजी हुए। उन्होंने 1979 में सुरक्षा मूवी में मिथुन चक्रवर्ती के लिए गाया था।

अक्षय कुमार, वाणी कपूर, हुमा और लारा दत्ता स्टारर बेल बॉटम का ट्रेलर हुआ रिलीज

बॉलीवुड के खिलाड़ी कुमार जल्द ही फिल्म बेल बॉटम के साथ बड़े पर्दे पर नजर आने वाले हैं। 19 अगस्त को रिलीज होने वाली इस फिल्म में भारतीय जासूस बने अक्षय कुमार के साथ वाणी कपूर, हुमा कुरैशी और लारा दत्ता अहम किरदारों में हैं जिसका धमाकेदार ट्रेलर भी अब जारी कर दिया गया है। हाल ही में खिलाड़ी कुमार अक्षय ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट से फिल्म का ट्रेलर शेयर किया है। इसके साथ अक्की लिखते हैं, %बेल बॉटम ट्रेलर। बेल बॉटम के साथ बड़े पर्दे का जादू दोबारा लेकर आ रहे हैं। बेल बॉटम फिल्म 1984 में हुए प्लेन

1984 के प्लेन हाईजैक की असल घटना पर आधारित है फिल्म

हाईजैक की एक असल घटना पर आधारित है। लगातार पांचवे हाईजैक के बाद भारत सरकार ने रॉ के इस ऑपरेशन के लिए एक खूफिया जासूस को हायर किया था जिसका कोड नाम बेल बॉटम था। इन हाइजैक में लगभग 210 यात्रियों को बंदी बनाया गया था। फिल्म में वाणी कपूर ने अक्षय की पत्नी का रोल निभाया है जबकि हुमा कुरैशी, दुबई के एक सपोर्ट ग्रुप का हिस्सा बनी हैं जो इस ऑपरेशन में भारत का साथ देती हैं। फिल्म में लारा दत्ता का किरदार हैरान करने वाला है। एक्ट्रेस इस फिल्म में इंदिया गांध के रोल में हैं जिन्हें पहचान पाना भी मुश्किल है। फिल्म में दमदार डायलॉग के साथ धमाकेदार बैकग्राउंड म्यूजिक भी होने वाली है। 19 अगस्त को रिलीज होने वाली इस फिल्म का निर्देशन रंजीत तिवारी ने किया है जबकि फिल्म को पूजा एंटरटेनमेंट के बैनर तले वाशू भगनानी, जैकी भगनानी, दिपशिखा देशमुख, मोनीश आडवाणी, निखिल आडवाणी और मधू भोजवानी ने मिलकर प्रोड्यूस कियाा है।

हनी सिंह की पत्नी शालिनी को दर्द भरे पोस्ट पर मिल रहा लोगों का सपोर्ट

बॉलीवुड के मशहूर सिंगर और रैपर यो यो हनी सिंह हाल ही में अपनी शादीशुदा जिंदगी में आए भूचाल को लेकर जबरदस्त सुर्खियों में आ गए हैं। उनकी पत्नी शालिनी तलवार ने घरेलू हिंसा, मानसिक शोषण और आर्थिक शोषण के आरोप लगाए हैं। इसके अलावा शालिनी ने हनी सिंह पर ये भी आरोप लगाया है कि उन्होंने कई महिलाओं के साथ कैजुअल संबंध भी बनाए हैं। इन सबके बीच घरेलू हिंसा को लेकर किए गए पोस्ट चर्चा में आ गए हैं। इस पोस्ट में कई यूजर्स पूरे मामले पर शालिनी को सपोर्ट देते दिखाई दे रहे हैं।

चर्चा में आए ये पोस्ट

शालिनी ने मई और जून महीने में एक के बाद एक बेहद इमोशनल पोस्ट शेयर किए हैं। जिसमें से एक पोस्ट इमोशनल शोषण को लेकर है, जिसमें बताया गया है कि इमोशनल शोषण है किसी के अस्तित्व को खत्म कर देना। दूसरे पोस्ट में रोती हुई महिला की एक तस्वीर के साथ लिखा है- वो संस्कारी थी जबतक सहती थी, बद्तमीज हो गई जब बोल पड़ी। तीसरे पोस्ट में लिखा है कि %किसी के झूठ को माफ मत करो। ये सिर्फ उनके चरित्र के अभाव, ईमानदारी की कमी और धोखेबाजी और शैतानी सोच को दर्शाता ह।

लोगों ने किए ऐसे कमेंट्स

शालिनी के इस पोस्ट पर कई लोग उनसे पूछते नजर आए थे कि आखिर हुआ क्या है? लेकिन जैसे ही ये खबर सामने आई कि शालिनी ने हनी सिंह पर घरेलू हिंसा के अरोप लगाए हैं। कई लोग पोस्ट पर कमेंट करते हुए उन्हें सपोर्ट देते दिखाई दिए। एक यूजर ने लिखा- मजबूत रहकर लड़ें... वहीं दूसरे यूजर का कहना कि हमें यो यो से ये उम्मीद नहीं थी। इसके अलावा कई यूजर्स को अब भी परेशानियां सुलझ जाने की उम्मीद है।

न्यूज ब्रीफ

बिहार के नालंदा में सनसनीखेज वारदात, जमीन के विवाद में 6 लोगों की गोली मारकर हत्या

नालंदा। नालंदा में जमीन के विवाद को लेकर बुधवार की दोपहर दो पक्षों के बीच हिंसक झड़प हो गई। सनसनीखेज वारदात में छह लोगों की गोली मारकर हत्या कर दी गई। गोली लगने से दो लोग घायल है। छबीलापुर थाना क्षेत्र के लोदीपुर गांव में वारदात हुई है। आपस में भिड़े दोनों पक्ष एक ही परिवार के बताए जा रहे हैं। घटना की जानकारी मिलते ही आला अधिकारी भी मौके पर पहुंचे। घायलों को स्थानीय अस्पताल में पहुंचाया गया है। एक साथ छह लोगों की हत्या से पूरे इलाके में कोहराम मचा है। बताया जाता है कि छबीलापुर थाना क्षेत्र के लोदीपुर गांव में दो पटीदारों (गोतिया) के बीच जमकर गोलीबारी हुई। ताबड़तोड़ फायरिंग से पूरे इलाके में हड़कंप मच गया। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी फरार हो गए हैं। इधर घटना की जानकारी मिलते ही कई थानों की पुलिस घटना घटनास्थल पहुंच गई है और मामले की जांच में जुट गई है। पुलिस की टीम आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए ताबड़तोड़ छापेमारी कर रही है। ग्रामीणों की मानें तो एक पक्ष के लोग खेत की जुताई कर रहे थे। तभी दूसरे पक्ष के दर्जनों हथियारबंद लोग वहां पहुंचे। दोनों पक्षों में कहासुनी शुरू हुई और हथियार बंद लोगों ने अंधाधुंध फायरिंग शुरू कर दी। इससे मौके पर ही चार लोगों की मौत हो गई। दो लोगों ने अस्पताल में दम तोड़ दिया। 50 बीघा जमीन को लेकर विवाद है। मामला कोर्ट में भी चल रहा है। गोली लगने से यद्दु यादव, पिंटू यादव, शिवेन्द्र यादव, धीरेन्द्र यादव, मधेश यादव और बिंदा यादव की मौत हुई है। घटना के बाद गांव में तनाव बना हुआ है। कई थानों की पुलिस घटनास्थल पर पहुंच गयी है।

उड़ते विमान में यात्री ने की छेड़खानी..क्रू मेंबर को मारा मुक्का, सीट पर बांधा गया

नई दिल्ली। अमेरिका से एक ऐसा मामला सामने आया है जहां एक फ्लाइट के अंदर नशेड़ी शख्स ने महिला अटेंडेंट के साथ छेड़खानी कर दी। हालत ये हो गई कि उसे सीट से बांधना पड़ गया। इतना ही नहीं उसने दूसरी महिला अटेंडेंट से भी छेड़खानी की और क्रू मेंबर को मुक्का मार दिया। किसी तरह उस शख्स को शांत कराया गया। दरअसल, यह घटना अमेरिका की है। सीएनबीसी की एक रिपोर्ट के मुताबिक, ये घटना फ्रंटियर एयरलाइंस के एक फ्लाइट में हुई। ये फ्लाइट फिलाडेल्फिया से मियामी की तरफ जा रही थी, तभी अचानक एक नशेड़ी यात्री खड़ा हुआ और महिला अटेंडेंट के साथ उसने बदसलूकी शुरू कर दी। देखते ही देखते मामला बढ़ गया। फ्लाइट में मौजूद अन्य यात्री इस वाकये को देखकर हैरान थे। रिपोर्ट के मुताबिक यात्री ने फ्लाइट में महिला अटेंडेंट से ड्रिंक मंगवाकर पी। इसके बाद जब दूसरी अटेंडेंट आई तो उसने उससे भी ड्रिंक मांगी और छेड़खानी शुरू कर दी। उसने ड्रिंक लेकर आई महिला अटेंडेंट को हाथ लगाना भी शुरू कर दिया। इसके बाद जब एक क्रू मेंबर उसके पास आया तो उसने उसको मुक्का मार दिया। थोड़ी ही देर बाद वह शख्स बाथरूम भी गया और वहां से निकलने के बाद वह बिना शर्ट के ही विमान में टहलता रहा। आखिरकार क्रू मेंबर्स और यात्रियों ने मिलकर उसे सीट पर बांध दिया और सीटबेल्ट लगा दी। तब जाकर वह शांत हुआ।

जम्मू-कश्मीर से ग्राउंड रिपोर्ट: अनुच्छेद 370 हटने के 2 साल बाद शांति की राह पर घाटी, पत्थरबाजी छोड़ विकास का भागीदार बन रहे युवा

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज श्रीनगर

आतंक से जूझ रहे राज्य से केंद्र शासित प्रदेश बनने के बाद जम्मू-कश्मीर अब अमन-शांति की राह पर है। कश्मीर घाटी के चारों ओर तरक्की की बातें हो रही हैं। कभी पाकिस्तान का राग अलापने वाले आज आतंकवाद विरोधी दिख रहे हैं। यहां का युवा पत्थरबाजी-प्रदर्शन को छोड़ अब अमन से बैठना चाहता है। वह धरती का स्वर्ग कहे जाने वाले कश्मीर के लिए विकास चाहता है और उन्हें पता है कि देश विरोधी लोग उन्हें इस्तेमाल करते थे, जो अब नहीं होगा। कश्मीरी युवा भारतीय सेना में भर्ती होकर देश सेवा करना चाहता है। जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 और 35 को निरस्त किए जाने की दूसरी सालगिरह मनाई जा रही है। यहां की आबोहवा अब बदल चुकी है। पूरे जम्मू कश्मीर में आतंक के गढ़ रहे इलाकों से सरहद तक अमन की बयार बह रही है। हर ओर तरक्की की बातें हो रही हैं। कश्मीर में अब सड़कों पर न पत्थरबाज दिखते हैं और न ही राष्ट्र विरोधी प्रदर्शन करने वाले। गांवों-शहरों में सरकारी इमारतों से लेकर सरहद तक हर ओर तिरंगा लहरा रहा है, यहां तक कि लाल चौक पर भी तिरंगा देखने को मिलता है। कश्मीर के लाल चौक पर जहां पहले पास के मुल्क का झंडा लेकर लोग घूमते थे, वहां अब भारतीय झंडा लहरा रहा है। श्मीर के लाल चौक पर जहां पहले पास के मुल्क का झंडा लेकर लोग घूमते थे, वहां अब भारतीय झंडा लहरा रहा है।

काम-धंधे में जुट रहे कश्मीरी युवा

आतंकवाद को दरकिनार कर युवा पीढ़ी काम-धंधे में जुटने लगी है। ज्यादातर युवा देश सेवा के लिए भारतीय सेना का रुख कर रहे हैं। पिछले दिनों सेना में भर्ती होने के लिए कश्मीर और जम्मू में बड़ी-बड़ी कतारें देखी गईं। कश्मीर में बच्चे सड़कों में खेलते हुए नजर आ रहे हैं। यहां अब फिल्मी सितारे भी दोबारा से रुख कर रहे हैं। आतंक की वजह से पीर पंजाल की सेवन लेक्स पर भी लोगों की आवाजाही कम हो गई थी, लेकिन अब दूर से आ रहे लोग यहां टेंट लगाकर मौज-मस्ती करते मिलेंगे। कुछ इलाकों में आतंकी घटनाएं हो रही हैं, लेकिन सुरक्षा बलों के सख्त रुख के चलते ज्यादातर आतंकी और उनके मददगार गायब होने लगे हैं। बदले हालात में अब स्पष्ट पर भी शांति है। पाकिस्तान से समझौते के बाद दोनों ओर बंदूकें खामोश हैं। सेना ने उड़ी की आखिरी कमान पोस्ट लोगों के लिए खोल दी है। यहां लहराते 60 फीट ऊंचे तिरंगे के साथ आम लोगों के लिए खुला कैफे स्पष्ट के हालात को बयां करता है। अब यहां नागरिकों के आने पर सफेद झंडा नहीं लगाना पड़ता। जम्मू-कश्मीर की खूबसूरती देखते ही बनती है। उम्मीद है कि घाटी में जल्द ही पूरी तरह से शांति का माहौल होगा। श्रीनगर से बारामुला और उड़ी की ओर जाते पट्टन वैली में सेब के बागों में लोग काम में मशगूल हैं। कभी आतंक का गढ़ रहे बारामुला में भी माहौल बदला है। पत्थरबाजी के लिए बदनाम यहां के ओल्ड टाउन में अब हुड़दंगी नहीं दिखते हैं। यहां रहने वाले मुज्जफर बताते हैं कि झेलम में बहुत पानी बह चुका है। आतंकवाद से लोगों को कुछ मिला नहीं, सिर्फ तबाही हुई है। एक साल से यहां अमन है। एक दूसरे शख्स ने सड़क के निचली ओर दफनाए आतंकियों की ओर इशारा कर कहा कि हुकूमत का संदेश सबकी समझ में आ रहा है। अब कोई बचाने नहीं आएगा। एक शख्स ने नाम न बताने की शर्त पर कहा कि कोरोना संकट में सेना उनकी बहुत मदद कर रही है। दक्षिण कश्मीर के अनंतनाग और पुलवामा में भी हालात काफी बदल रहे हैं। अनंतनाग के अनीश अहमद का कहना है कि आतंकवाद से भारी नुकसान हुआ है। युवा अब इस रास्ते पर नहीं जाना चाहते। कश्मीर के लोग खुद को संभालने की कोशिश कर रहे हैं। अनुच्छेद 370 का चंद लोगों ने फायदा उठाया।

सुलह के रास्ते पर भारत-चीन: गोगरा हाइट्स से सेना हटाने पर राजी हुए दोनों देश

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

भारत और चीन के बीच लाइन ऑफ एक्चुअल कंट्रोल (ख्रष्ट) पर पिछले साल मई से जारी गतिरोध सुलह की ओर बढ़ता दिख रहा है। दोनों देश गोगरा हाइट्स से अपनी-अपनी सेना हटाने पर सहमत हो गए हैं। मई, 2020 से ही इस क्षेत्र में दोनों देशों की सेनाएं आमने-सामने हैं। बता दें कि रविवार को ही दोनों पक्षों में कोर कमांडर लेबल की बातचीत हुई थी। 12वें दौर की यह बातचीत चीन के हिस्से वाले मोल्डो में करीब 9 घंटे चली थी। मीटिंग में पेट्रोलिंग पॉइंट 17 से दोनों देशों की सेनाओं ने हटने का फैसला किया है। गोगरा हाइट्स का पेट्रोलिंग पॉइंट 17 पूर्वी लद्दाख क्षेत्र के विवादित क्षेत्रों में से एक रहा है।सूत्रों के मुताबिक, दोनों पक्षों के बीच डिसएंगेजमेंट को लेकर अंतिम बार बातचीत इस साल फरवरी में हुई थी। तब दोनों सेनाएं पैंगोंग झील के किनारे से हटने पर राजी हुई थीं। सूत्रों ने यह भी बताया कि दोनों पक्ष रविवार को हुई बातचीत के आधार पर जल्द ही गोगरा हाइट्स से हटने को लेकर जमीनी तौर पर शुरुआत कर देंगे। हॉट स्प्रिंग के पेट्रोलिंग पॉइंट (क्क-15) और देपसांग समेत बाकी मुद्दों पर भी दोनों देश मीटिंग जारी रखेंगे और बातचीत के जरिए इनका भी हल निकालेंगे।

इन मुद्दों पर बातचीत की थी आशंका

ईस्टर्न लद्दाख में गोगरा और हॉट स्प्रिंग एरिया से डिसएंगेजमेंट पर सहमति। इन दोनों पॉइंट पर दोनों तरफ से करीब 30-35 सैनिक ही तैनात हैं। हॉट स्प्रिंग एरिया में पैंगोंग से भी पहले डिसएंगेजमेंट शुरू हुआ था, लेकिन वह पूरा नहीं हो पाया। यहां दोनों सेनाओं की एक प्लाटून (करीब 30 सैनिक) तैनात हैं। दोनों देशों के सैनिक इन पॉइंट्स पर पेट्रोलिंग भी नहीं कर पा रहे हैं।बातचीत में डेमचोक और डेपसांग का मसला भी उठाया गया। भारत चाहेगा कि डेपसांग एरिया में चीनी सैनिकों ने जो पेट्रोलिंग पॉइंट ब्लॉक किए हैं उन्हें वह खोले और अपने सैनिकों को हटाए। डेमचोक एरिया में चीनी सैनिकों के साथ ही सिविलियंस के टेंट भी लगे हैं। यह भी करीब दो साल पुराने हैं और मीटिंग में इन पर भी बात होनी थी। हालांकि यह इतना आसान नहीं है।

दोनों देशों ने 2 अगस्त को दिया था जॉइंट स्टेटमेंट

चुशुल-मोल्डो में कोर कमांडर लेबल की हुई बातचीत के बाद दोनों देशों ने 2 अगस्त को एक संयुक्त बयान जारी किया था। बयान के मुताबिक, दोनों पक्षों के बीच पश्चिमी क्षेत्र में डिसएंगेजमेंट को लेकर चर्चा हुई। दोनों पक्षों के मुताबिक, मीटिंग अच्छी रही, इससे आपसी समझ विकसित हुई।

40 मिनट के भीतर राज्यसभा में 2 बिल पास हुए, हंगामे के चलते दोनों सदनों की कार्यवाही आज तक स्थगित

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

संसद के मानसून सेशन का तीसरा हफ्ता भी अब तक काफी हंगामेदार रहा है। पेगासस जासूसी कांड और नए कृषि कानून को लेकर विपक्ष लगातार केंद्र सरकार पर हमलावर है। बुधवार को भी जासूसी कांड पर दोनों सदनों में हंगामा जारी रहा। विपक्ष के हंगामे और नारेबाजी के चलते लोकसभा और राज्यसभा की कार्यवाही गुरुवार सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई। विपक्ष के हंगामे के बीच राज्यसभा में 40 मिनट के भीतर लिमिटेड लिबर्टी पार्टनरशिप (अमेंडमेंट) बिल, 2021 और डिपॉजिट इंश्योरेंस और क्रेडिट गारंटी बिल, 2021 पास हुआ। इससे पहले इस सदन में एयरपोर्ट्स इकोनॉमिक रेगुलेटरी अथॉरिटी (अमेंडमेंट) बिल, 2021 भी पारित हुआ। वहीं, लोकसभा में नारियल विकास बोर्ड (संशोधन) विधेयक, 2021 पास हुआ। राज्यसभा के सभापति एम वेंकैया नायडू ने तृणमूल कांग्रेस (ञ्जरूष्ट) के 6 सांसदों को आज दिन भर के लिए सस्पेंड कर दिया। इनमें डोला सेन, नदीमुल हक, अर्पिता घोष, मौसम नूर, शांता छेत्री और अबीर रंजन बिस्वास शामिल हैं। सदन में तख्तियां दिखाने और हंगामा करने को लेकर यह कार्रवाई हुई।

14 विपक्षी दलों के 18 नेताओं का जॉइंट स्टेटमेंट: 14 विपक्षी दलों के 18 नेताओं ने बुधवार को संयुक्त बयान जारी किया। इसके जरिए संसद में पेगासस जासूसी कांड और कृषि कानूनों पर चर्चा की मांग की गई। इसमें कहा गया कि संसद में गतिरोध के लिए सरकार जिम्मेदार है, सरकार विपक्ष पर आरोप लगाकर गुमराह करने की कोशिश कर रही है। पूरा विपक्ष एकजुट है और संसद के दोनों ही सदनों में गृहमंत्री से पेगासस मामले पर जवाब चाहता है, क्योंकि यह एक राष्ट्रीय सुरक्षा का मसला है।

संसद के बाहर कांग्रेस और स्रष्ठ में जुबानी जंग: कृषि कानून को लेकर कांग्रेस और शिरोमणि अकाली दल के बीच संसद के बाहर जुबानी जंग देखने को मिली। कांग्रेस सांसद रवनीत सिंह बिट्टू ने कहा कि जिस समय सरकार कृषि कानून संसद में पास करा रही थी, उस वक्त SAD सरकार के साथ थी। उसके किसी भी नेता ने केंद्र सरकार के बिल पर ऐतराज नहीं जताया। संसद में जब बिल पास हो गया तब किसानों का हितैषी बनने के लिए शिरोमणि अकाली दल के नेताओं ने घर जाकर इस्तीफा दिया। ये लोग रोज ड्रामा करते हैं, जबकि इन लोगों के कैबिनेट में रहते हुए बिल पास हुआ। इस पर केंद्रीय मंत्री हरसिमरत कौर बादल ने कहा कि जब बिल संसद में पास हो रहा था तो कांग्रेस ने बिल के समय वॉकआउट क्यों किया था? जब संसद में बिल पास हो रहा था, उस समय राहुल गांधी कहां पर थे?

कोरोना देश में: 42530 नए मरीज मिले, केरल में सबसे ज्यादा 23676 केस

देश में एक दिन पहले सिर्फ 30530 मरीजों की रिपोर्ट पॉजिटिव आई थी

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

देश में कोरोना के केस में एक दिन की गिरावट के बाद फिर उछाल आया है। मंगलवार को 42,530 मरीज मिले। सोमवार को 30,029 मामले दर्ज हुए थे। बीते 24 घंटे में 36,552 संक्रमितों ने इस बीमारी को मात दी, जबकि 561 की मौत हो गई। इस तरह एक्टिव केस यानी इलाज करा रहे मरीजों की संख्या में 5,396 की बढ़ोतरी दर्ज की गई। अब 4.04 लाख मरीजों का इलाज चल रहा है। सबसे ज्यादा चिंता केरल बढ़ा रहा है। यहां मंगलवार को 23,676 नए केस आए। सोमवार को यह आंकड़ा 13,984 था। राज्य के एक्टिव केस में भी 9,959 का बड़ा उछाल आया है। अब यहां 1.73 लोगों का इलाज चल रहा है।

8 राज्यों में लॉकडाउन जैसी पाबंदियां

देश के 8 राज्यों में पूर्ण लॉकडाउन जैसी पाबंदियां हैं। इनमें पश्चिम बंगाल, हिमाचल प्रदेश, झारखंड, ओडिशा, तमिलनाडु, मिजोरम, गोवा और पुडुचेरी शामिल हैं। यहां पिछले लॉकडाउन जैसे ही कड़े

मध्यप्रदेश कोरोना ग्राफ

	1 अगस्त	2 अगस्त	3 अगस्त
केस आए	17	17	18
ठीक हुए	14	10	11
मौत हुई	00	00	00

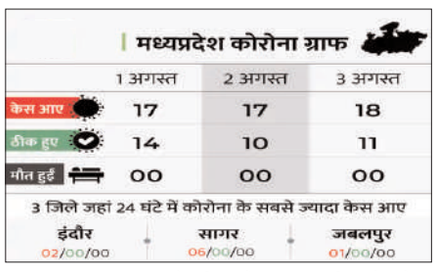

3 जिले जहां 24 घंटे में कोरोना के सबसे ज्यादा केस आए

इंदौर	सागर	जबलपुर
02/00/00	06/00/00	01/00/00

प्रतिबंध लगाए गए हैं। देश के 23 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में आंशिक लॉकडाउन है। यहां पाबंदियों के साथ छूट भी है। इनमें छत्तीसगढ़, कर्नाटक, केरल, बिहार, दिल्ली, महाराष्ट्र, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, मध्यप्रदेश, हरियाणा, पंजाब, जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, उत्तराखंड, अरुणाचल प्रदेश, सिक्किम, मेघालय, नगालैंड, असम, मणिपुर, त्रिपुरा, आंध्र प्रदेश और गुजरात शामिल हैं।

केरल: यहां मंगलवार को 23,676 लोग संक्रमित पाए गए। 15,626 लोग ठीक हुए और 148 लोगों की मौत हो गई। यहां अब तक 34.49 लाख लोग संक्रमण की चपेट में आ चुके हैं। इनमें 32.58 लाख लोग ठीक हो चुके हैं, जबकि 17,104 लोगों की मौत हुई है। फिलहाल 1.72 लाख मरीजों का इलाज चल रहा है।

महाराष्ट्र: यहां मंगलवार को 6,005 लोग संक्रमित पाए गए। 6,799 लोग ठीक हुए और 177 की मौत हो गई। यहां अब तक 63.21 लाख लोग संक्रमण की चपेट में आ चुके हैं। इनमें 61.10 लाख लोग ठीक हो चुके हैं, जबकि 1.33 लाख लोगों की मौत हुई है। फिलहाल 74,318 मरीजों का इलाज चल रहा है।

कर्नाटक: यहां मंगलवार को 1,674 लोग संक्रमित पाए गए। 1,376 लोग ठीक हुए और 38 की मौत हो गई। यहां अब तक 29.09 लाख लोग संक्रमण की चपेट में आ चुके हैं। इनमें 28.49 लाख लोग ठीक हो चुके हैं, जबकि 36,650 लोगों की मौत हुई है। फिलहाल 24,280 मरीजों का इलाज चल रहा है।

. **छत्तीसगढ़:** यहां मंगलवार को 142 नए केस दर्ज हुए। इस दौरान 177 लोगों ने कोरोना को मात दी और 2 की मौत हुई। अब तक यहां 10.02 लाख लोग कोरोना संक्रमित हो चुके हैं। 9.87 लाख लोग ठीक हुए हैं। 13,530 लोगों की संक्रमण से जान गई है।

MP में सिंध नदी के 3 और पुल बहे:दतिया में सेंवढ़ा और इंदुर्खी पुल तिनके की तरह बहे

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज भिण्ड

सिंध नदी ने ग्वालियर-चंबल अंचल में तबाही मचा दी है। पहली बार सिंध नदी का रौद्र रूप लोगों ने देखा है। बुधवार सुबह दतिया जिले में सिंध नदी पर बने सेंवढ़ा और इंदुर्खी पुल बह गए। दोपहर में शिवपुरी जिले में नरवर-ग्वालियर को जोड़ने वाला पुल का काफी हिस्सा नदी में बह गया। इसके पहले मंगलवार को सिंध नदी के बहाव में रतनगढ़ वाली माता और लांच-पिछोर का पुल भी बह गया था। अब दतिया जिले के गोराघाट, भिंड के अमायान नदी के मेंहदा घाट का पुल भी खतरे में हैं। दोनों पुलों पर पानी आ गया है। ककेटो और मड़ीखेड़ा बांध से पानी छोड़े जाने के बाद मंगलवार की दोपहर से लगातार सिंध नदी में पानी बढ़ रहा है। सिंध नदी के उफान पर आने से अब तक दतिया जिले के चार पुल और शिवपुरी जिले का एक पुल टूट चुके हैं। सिंध नदी पर ही मड़ीखेड़ा डैम के नीचे के पुल पर दरार आ गई है। वहीं गोराघाट और भिंड जिले के अमायन पुल को भी खतरा है।

बीहड़ में नाव नहीं चलती, रेस्क्यू मुश्किल: मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कलेक्टर और स्क्क से चंबल और सिंध नदी के जलस्तर की जानकारी ली है। यहां सबसे बड़ी परेशानी यह है कि बीहड़ में पानी भरने पर नाव नहीं चलाई जा सकती। रेस्क्यू करने के दौरान भी बेहद सतर्कता बरतनी होती है, ऐसे में रेस्क्यू ऑपरेशन बेहद मुश्किल है। सिंध और चंबल नदी के किनारे के पर्रायच, इंदुर्खी, गिरवासा, रेंमजा, महायर गांवों को खाली कराया जा रहा है। दतिया जिले के सेंवढ़ा नगर में निचली बस्ती को खाली कराया जा चुका है। वहीं, चंबल किनारे के अटेर, चौम्हो, नावली वृंदावन, खैरहट गांव में पानी आ गया है। मुशावली गांव से एक बुजुर्ग को रेस्क्यू किया गया है।

मनसुख हिरेन हत्याकांड में बड़ा खुलासा: 45 लाख की सुपारी देकर करवाई गई थी हत्या

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

मुकेश अंबानी के घर एंटीलिया के पास मिली विस्फोटक से भरी स्कॉर्पियो के मालिक मनसुख हिरेन की हत्या के मामले में नया खुलासा हुआ है। मंगलवार को इस मामले की कोर्ट में सुनवाई के दौरान नेशनल इन्वेस्टीगेशन एजेंसी (ढ्ढ) ने बताया कि मनसुख की हत्या करवाने के लिए 45 लाख रुपए दिए गए थे। ढ्ढ ने इस मामले में चार्जशीट पेश करने के लिए कोर्ट से 30 दिन का समय और मांगा है। फंडिंग का सोर्स पता लगाना अभी बाकी मनसुख मामले में

चार्जशीट पेश करने के लिए स्पेशल कोर्ट ने 9 जून को ढ्ढ को 2 महीने का वक्त दिया था। ढ्ढ का कहना है कि इस मामले में फंडिंग किसने की थी, ये पता लगाने की जरूरत है। जांच एजेंसी ने ये भी बताया कि अब तक 150 गवाहों के बयान दर्ज किए गए हैं। एक टीम ने जांच के लिए दिल्ली जाकर भी कुछ लोगों से पूछताछ की है। मनसुख मामले में NIA ने दो फोन कब्जे में ले लिए हैं। ये फोन दिल्ली की तिहाड़ जेल में बंद इंडियन मुजाहिदीन के कथित प्रमुख तहसीन अख्तर के पास से बरामद किए गए थे। अख्तर ने ये बात स्वीकार की है कि ये दोनों फोन उसी के हैं। इस बारे में ढ्ढ ने अदालत में बताया कि इन फोनों की जांच से भी कई अहम खुलासे हो सकते हैं, इसलिए कुछ और समय चाहिए। 25 फरवरी को एंटीलिया के बाहर विस्फोटक से भरी स्कॉर्पियो मिली थी। इसके कुछ दिन बाद टेलीग्राम पर दो मैसेज भेजकर जैश-उल-हिंद नाम के आतंकी संगठन ने विस्फोटक रखने की जिम्मेदारी ली थी। सूत्रों के मुताबिक अख्तर ने ढ्ढ को बताया है कि टेलीग्राम पर मैसेज उसने नहीं भेजे थे। वहीं ढ्ढ इस मामले में मुंबई पुलिस के एक सीनियर अफसर के खिलाफ मिले सबूतों की भी जांच कर रही है। जांच के बाद उस अफसर की गिरफ्तारी की परमिशन भी मांगी जाएगी। मनसुख मामले में ढ्ढ अब तक मुंबई पुलिस के बर्खास्त ्रक्क्क्क सचिन वझे, एनकाउंटर स्पेशलिस्ट प्रदीप शर्मा, रियाजुद्दीन काजी और सुनील माणे को गिरफ्तार कर चुकी है।

श्रद्धालुओं के लिए दिसंबर 2023 तक खुल जाएगा अयोध्या में बन रहा भव्य राम मंदिर

अयोध्या। अयोध्या में बन रहा भव्य राम मंदिर दिसंबर 2023 तक श्रद्धालुओं के लिए खुल जाएगा। भारत समेत दुनिया भर के श्रद्धालु रामलला के दर्शन कर सकेंगे। राम मंदिर ट्रस्ट के हवाले से सूत्रों ने इसकी जानकारी दी है। इससे पहले भी राम मंदिर निर्माण का काम देख रहे श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने कहा था कि मंदिर का मुख्य परिसर 2023 के अंत तक तैयार हो जाएगा और उसके बाद इसे श्रद्धालुओं के लिए खोला जा सकेगा। मंदिर निर्माण से जुड़े लोग इस साल की शुरुआत से कई बार दोहरा चुके हैं कि दो साल के भीतर मंदिर में पूजा-अर्चना शुरू हो जाएगी और आम श्रद्धालुओं को भगवान के दर्शन की अनुमति होगी। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि दिसंबर 2023 तक मंदिर का काम लगभग पूरा हो जाएगा और लोग भगवान राम की पूजा-अर्चना कर सकेंगे। बता दें कि गुरुवार को अयोध्या में राम मंदिर निर्माण की शुरुआत हुए एक साल पूरा हो रहा है। इस मौके पर यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ अयोध्या का दौरा करेंगे। कहा जा रहा है कि इस इवेंट को पीएम नरेंद्र मोदी भी वर्चुअली संबोधित कर सकते हैं।

न्यूज ब्रीफ

अब विश्व चैंपियनशिप में अच्छा प्रदर्शन करना चाहती हूं: सिंधू

नई दिल्ली। चार अगस्त (भाषा) ओलंपिक में दो पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला खिलाड़ी बनी पीवी सिंधू ने अभी अपनी सफलता का पूरी तरह से जश्न भी नहीं मनाया है लेकिन फिर भी अपना अगला लक्ष्य तय कर लिया है जो इस साल स्पेन में विश्व चैंपियनशिप खिताब का बचाव करना है। रविवार को 26 साल की सिंधू लगातार दो व्यक्तिगत ओलंपिक पदक जीतने वाली दूसरी भारतीय और देश की पहली महिला खिलाड़ी बनी थी। रियो 2016 में रजत पदक के बाद उन्होंने तोक्यो खेलों में कांस्य पदक जीता। सिंधू ने यहां बातचीत के दौरान कहा, ''निश्चित तौर पर अब तक इन भावनाओं से पूरी तरह से नहीं बाहर निकल पाई हूं लेकिन मैं इस लम्हें का लुत्फ उठा रही हूं। यह किसी के लिए भी सपना साकार होने की तरह है। ये ऐसे लम्हें हैं जिन्हें आप हमेशा याद रखते हो।'' उन्होंने कहा, ''ओलंपिक में लगातार दो पदक जीतना मेरे लिए बड़ी बात है। मुझे यकीन है कि यह अन्य लोगों को प्रेरित करेगा और खेल को नई ऊंचाइयों तक ले जाएगा।'' यह पूछने पर कि अब उनका लक्ष्य क्या है, सिंधू ने कहा, ''कई अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताएं होने वाली हैं। जल्द ही मैच अभ्यास शुरू करूंगी और अच्छा प्रदर्शन करना चाहती हूं और अपना सर्वश्रेष्ठ देना चाहती हूं। स्पेन में विश्व चैंपियनशिप भी है और मुझे अच्छा प्रदर्शन करने की उम्मीद है।''

प्रधानमंत्री मोदी ने ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने वाली लवलीना को बधाई दी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तोक्यो ओलंपिक की मुक्केबाजी स्पर्धा में कांस्य पदक जीतने वाली लवलीना बोरगोहेन को बधाई देते हुए कहा कि उसकी दृढता और समर्पण प्रशंसनीय है । बोरगोहेन को 69 किलोवर्ग के सेमीफाइनल में विश्व चैम्पियन बुसानेज सुरमेनेली के हाथों मिली पराजय के बाद कांसे के तमगे से ही संतोष करना पड़ा । मोदी ने ट्वीट किया ,'' अच्छा मुकाबला लवलीना बोरगोहेन । मुक्केबाजी रिंग में उनकी कामयाबी से कई भारतीयों को प्रेरणा मिली है । उनकी दृढता और समर्पण प्रशंसनीय है । कांस्य जीतने पर उन्हें बधाई और भविष्य के लिये शुभकामना ।''

ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों ने फ्लाइट में शराब पीकर की बदसलूकी, लग सकता है प्रतिबंध

टोक्यो। ऑस्ट्रेलिया के रग्बी और फुटबॉल खिलाड़ियों ने तोक्यो से सिडनी लौटने वाली उड़ान में जमकर शराब पी और बदसलूकी भी की जिसकी देश के ओलंपिक दल प्रमुख इयान चेस्टरमैन ने जमकर निंदा की है। चेस्टरमैन ने बुधवार को बताया कि इन खिलाड़ियों ने वापसी की उड़ान में खराब बर्ताव किया और स्टाफ की बात नहीं मानी। उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों ने खूब शराब पी और एक ने टॉयलेट में उल्टी भी की। ये खिलाड़ी गुरूवार 29 जुलाई की शाम से ही पार्टी कर रहे थे और शुक्रवार को उन्हें सिडनी रवाना होना था।

कुश्ती में भारत का चौथा मेडल पक्का

सेमीफाइनल में रवि ने 8 पॉइंट से पिछड़ने के बाद कजाकिस्तान के पहलवान को चित किया

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज टोक्यो

टोक्यो ओलिंपिक में भारत का चौथा मेडल पहलवान रवि दहिया ने पक्का किया। उन्होंने 57 किलोग्राम वेट कैटेगरी के सेमीफाइनल में कजाकिस्तान के नूरीस्लाम सनायेव को पटखनी दी। अब फाइनल गुरुवार को होगा, जहां रवि गोल्ड या सिल्वर के लिए दांव लगाएंगे। सेमीफाइनल में रवि एक समय 8 पॉइंट से पीछे चल रहे थे। लगा कि वे हार जाएंगे, लेकिन 1 मिनट बाकी रहते रवि ने कजाक पहलवान को चित करते हुए मुकाबले से ही बाहर कर दिया। उन्हें विक्ट्री बाय फॉल रूल से विजेता करार दिया गया। उधर, दीपक पूनिया 86 किलोग्राम वेट कैटेगरी के सेमीफाइनल में हार गए। उन्हें अमेरिकी पहलवान डेविड मॉरिस टेलर

ने एकतरफा अंदाज में 10-0 से हराया। हालांकि, अभी दीपक के लिए ब्रॉन्ज मेडल की उम्मीद बरकरार है।

क्या होती है विक्ट्री बाय फॉल:- रवि ने कजाक पहलवान को चित करके मुकाबला जीता। अंतरराष्ट्रीय कुश्ती में इसे विक्ट्री बाय फॉल कहते हैं। जब कोई पहलवान प्रतिद्वंद्वी के को चित कर उसके दोनों कंधे मैट से लगा देता है तो उसे विक्ट्री बाय फॉल कहते हैं। ओलिंपिक स्तर पर खासकर सेमीफाइनल में ऐसी जीत दुर्लभ होती है। जब रवि ने नूर इस्लाम को चित किया उस समय में वे 7-9 से पीछे थे। ऑधिकारिक स्कोर 7-9 ही रहा लेकिन प्रतिद्वंद्वी को चित करने से उन्हें तत्काल जीत मिल गई।

महिला रेसलिंग में अंशु से उम्मीदें:- महिला कैटेगरी में अंशु मलिक प्री क्वार्टर फाइनल में बुल्गारिया की इरियाना कुराचकिना से हार गई हैं। कुराचकिना सेमीफाइनल में पहुंच गई हैं। अगर वे फाइनल में जाती हैं तो अंशु रेपचेज राउंड में प्रवेश कर जाएंगी, जहां उनके पास ब्रॉन्ज मेडल जीतने का मौका होगा। कुश्ती में फाइनल में पहुंचने वाले पहलवानों ने जिन प्रतिद्वंद्वियों को हराया होता है उनके बीच ब्रॉन्ज मेडल के लिए मुकाबला होता है।

ब्रिटेन की कैटरीना जॉनसन-थॉम्पसन और बेल्जियम की नफीसाटौ थियाम, टोक्यो, जापान में 2020 ग्रीष्मकालीन ओलंपिक में हेप्टाथलॉन की 100 मीटर बाधा दौड़ में प्रतिस्पर्धा करती हुईं।

लवलिना का मेडल वाला पंच

पहली बार ओलिंपिक में उतरीं लवलिना ब्रॉन्ज लेकर लौटेंगी, कहा- मुझे गोल्ड चाहिए, यही सोचकर तैयारी की थी

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज टोक्यो

पहली बार ओलिंपिक खेल रहीं 23 साल की भारतीय महिला बॉक्सर लवलिना बोरगोहेन ने सेमीफाइनल मुकाबला हारने के बावजूद इतिहास लिख दिया। वो ब्रॉन्ज लेकर ही भारत लौटेंगी। ऐसा करने वाली वो दूसरी महिला बॉक्सर हैं, इससे पहले 2012 में मेरीकॉम ने ब्रॉन्ज जीता था। 69 KG वेट कैटेगरी के इस मुकाबले में लवलिना वर्ल्ड नंबर वन तुर्की की बुसेनाज सुरमेली के खिलाफ लड़ रही थीं। उम्र और अनुभव का अंतर साफ नजर आया, पर बुसेनाज को लड़खड़ा देने वाले लवलिना के कुछ मुक्कों ने बता दिया कि अगली बार के लिए उम्मीदें सुनहरी हैं।

लवलिना ने कहा- मुझे सोना चाहिए, यही सोचा था

सेमीफाइनल मुकाबले के बाद लवलिना ने कहा- मेडल जीतने की खुशी है। जितना सोचा था, उतना नहीं हासिल कर पाई। प्रिपरेशन की बात करें तो प्रॉब्लम हुई थी। यही सोचकर तैयारी की थी कि मुझे सोना चाहिए। हम लोगों को कोविड की

वजह से इतनी अच्छी ट्रेनिंग नहीं मिल रही थी। पुणे में ट्रेनिंग की। लड़कों के साथ भी लड़ाई लड़ते थे।

लवलिना से फोन पर बात की

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ब्रॉन्ज जीतने पर लवलिना को बधाई दी है। उन्होंने फोन पर भारतीय बॉक्सर से बात की और कहा कि उनकी जीत योग्यता का प्रमाण है और ये नारी शक्ति की दृढ़ता को दिखाती है। मोदी ने कहा कि लवलिना की सफलता ने हर भारतीय को गर्व से भर दिया है, खासतौर से असम और नॉर्थ ईस्ट को।

कभी डाइट के लिए भी संघर्ष करती थीं

लवलिना ओलिंपिक में भाग लेने वाली असम की पहली महिला खिलाड़ी भी हैं। वे असम के गोलाघाट जिले की रहने वाली हैं। लवलिना बॉक्सिंग में आने से पहले किक बॉक्सिंग करती थीं। वे किक बॉक्सिंग में नेशनल लेवल पर मेडल जीत चुकी हैं। लवलिना ने अपनी जुड़वा बहनों लीचा और लीमा को देखकर किक बॉक्सिंग करना शुरू किया था और अब इतिहास रच दिया है।

स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया (साई) के असम रीजनल सेंटर में सिलेक्शन होने के बाद वे बॉक्सिंग की ट्रेनिंग लेने लगी थीं। उनकी दोनों बहनें भी किक बॉक्सिंग में नेशनल स्तर पर मेडल जीत चुकी हैं। लवलिना को बचपन में काफी संघर्ष करना पड़ा। उनके पिता टिकेन बोरगोहेन की छोटी सी दुकान थी। शुरुआती दौर में लवलिना के पास ट्रैकसूट तक नहीं था। इक्विपमेंट और डाइट के लिए संघर्ष करना पड़ता था।

कहां पिछड़ गईं लवलिना

लवलिना और बुसेनाज के बीच अब तक कोई बाउट नहीं हुई थी। बुधवार को इनके बीच पहली भिड़ंत हुई थी। दोनों ही खिलाड़ियों के पास एक-दूसरे के खिलाफ लड़ने का अनुभव नहीं था, पर वर्ल्ड नंबर वन बुसेनाज अनुभव में भारी पड़ीं।
पहले ही राउंड से उन्होंने लवलिना पर बढ़त बना ली। लगातार पंचेज से ये अंतर और बढ़ता गया। उधर, शुरुआती बाउट में बुसेनाज को परख रही लवलिना ने अटैक करने में देरी कर दी।

पहलवान दीपक के पिता की उम्मीद रोशन:सुभाष पूनिया बोले-

तपस्या का फल मिलने वाला है, चाहता हूं बेटा देश को तोहफे में मेडल दे

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज टोक्यो

टोक्यो ओलिंपिक में बुधवार को 86 किलो वेट में दीपक पूनिया सेमीफाइनल में पहुंचकर मेडल से एक कदम दूर हैं। वे हरियाणा के झज्जर जिले के रहने वाले हैं। दीपक के पिता सुभाष पूनिया ने भास्कर से बातचीत में कहा कि वे चाहते हैं कि बेटा ओलिंपिक मेडल जीतकर देश को तोहफा दे। जब वह 2015 में छत्रसाल स्टेडियम में ट्रेनिंग करने के लिए चला गया था, तो उस दौरान मैं रोजाना झज्जर से उसे दूध, फल और खाना देने जाता था। आज मुझे लगता है कि मेरे त्याग का फल मिलने वाला है और दीपक देश के लिए मेडल लेकर ही टोक्यो से लौटेंगे।

गांव में सीखे शुरुआती दांव पेंच:- सुभाष पूनिया ने बताया कि दीपक ने शुरुआती दांव-पेंच गांव के कुश्ती अखाड़े में ही कोच वीरेंद्र कुमार से सीखे। उन्होंने पांच साल की उम्र में ही अखाड़े जाना शुरू कर दिया था। जब वे स्टेट और नेशनल में मेडल जीतने लगे तो अंतरराष्ट्रीय पहलवान और

ओलिंपिक मेडलिस्ट सुशील कुमार उन्हें छत्रसाल स्टेडियम में ले गए। वहां पर सुशील और महाबली सतपाल ने उनका मार्गदर्शन किया। उन्होंने ही दीपक के रहने की व्यवस्था स्टेडियम में की।

पहली अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में बने चैंपियन: - दीपक अपनी पहली अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में ही चैंपियन बने। 2016 में कैडेट वर्ल्ड चैंपियनशिप में पहली बार देश का प्रतिनिधित्व किया। उन्होंने इस चैंपियनशिप में गोल्ड मेडल जीता। वे महज 17 साल की उम्र में ही विश्व चैंपियन बने। 2019 में अपनी पहली सीनियर विश्व कुश्ती चैंपियनशिप में 86 किग्रा वर्ग में सिल्वर मेडल जीता। यहां से ही उन्हें ओलिंपिक कुश्ती टीम का टिकट मिला।

भारत की अदिति अशोक, जापान के कावागो में कासुमीगासेकी कंट्री क्लब में, 2020 ग्रीष्मकालीन ओलंपिक में महिला गोल्फ स्पर्धा के पहले दौर के दौरान 15 वें होल पर पुट बनाती हैं।

शाकिब और मुस्ताफिजुर खेलेंगे IPL, BCB खिलाड़ियों को एनओसी देने को तैयार

ढाका। बंगलादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) इंग्लैंड के खिलाफ घरेलू श्रृंखला पुनर्निर्धारित होने के बाद अपने खिलाड़ियों शाकिब अल हसन और मुस्तफिजुर रहमान को आईपीएल 2021 सत्र के शेष मैचों में भाग लेने के लिए अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) देने को तैयार है। बीसीबी ने इससे पहले एक बयान में कहा था कि वह शाकिब और मुस्तफिजुर को 2021 आईपीएल के शेष हिस्से में भाग लेने के लिए एनओसी देने को तैयार नहीं है। क्योंकि उन्हें उम्मीद है कि वह आगामी आईसीसी टी-20 विश्व कप की तैयारियों के लिए राष्ट्रीय टीम के साथ होंगे, लेकिन अब इंग्लैंड के

बंगलादेश दौरे को मार्च 2023 तक स्थगित करने के ईसीबी और बीसीबी के निर्णय ने दोनों देशों के खिलाड़ियों के लिए शेष आईपीएल में भाग लेने का रास्ता खोल दिया है। बीसीबी के क्रिकेट ऑपरेशन के अध्यक्ष अकरम खान ने मंगलवार को कहा कि अगर खिलाड़ी आवेदन करते हैं और अगर हमारी कोई अंतरराष्ट्रीय प्रतिबद्धता नहीं है तो वे जा सकते हैं और आईपीएल में हिस्सा ले सकते हैं। हमें इस संबंध में अभी तक उनसे कोई आधिकारिक पत्र प्राप्त नहीं हुआ है और यदि हमें पत्र मिलता है तो बोर्ड निर्णय लेगा। उल्लेखनीय है कि बंगलादेश को तीन वनडे और तीन टी-20 मैचों के लिए इंग्लैंड की मेजबानी करनी है।

5 साल बाद भारत-पाकिस्तान टी-20 मैच

वर्ल्ड कप में 24 अक्टूबर को भिड़ेंगी दोनों टीमें, दुबई में हो सकता है मुकाबला

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

टी-20 वर्ल्ड कप में भारत और पाकिस्तान की टीमें 24 अक्टूबर को भिड़ सकती हैं। न्यूज एजेंसी ने सूत्रों के हवाले से बताया कि इस हाईवोल्टेज मुकाबले की तारीख तय हो गई है। यह मैच दुबई के ग्राउंड पर खेला जा सकता है। हालांकि, अभी इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल की ओर से वर्ल्ड कप का पूरा शेड्यूल जारी नहीं किया गया है। भारत और पाकिस्तान के बीच पिछला मुकाबला 2016 में खेला गया था। यह भी टी-20 वर्ल्ड कप मैच था। दोनों टीमें टी-20 वर्ल्ड कप में 5 बार आमने-

सामने आ चुकी हैं। इन सभी में भारत ने पाकिस्तान को हराया है। ओवरऑल टी-20 की बात करें, तो भारत और पाकिस्तान ने 8 मैच खेले हैं। इसमें टीम इंडिया ने 7 और पाकिस्तान ने 1 मैच जीता। 1 मैच भारत ने टाई के बाद बॉल आउट में जीता था।

ICC ने पिछले महीने ग्रुप का ऐलान किया था

इस बार टी-20 वर्ल्ड कप UAE और ओमान में खेला जा रहा है। पहले ये वर्ल्ड कप भारत में खेला जाना था, लेकिन कोरोना की वजह से ICC ने वेन्यू को बदल दिया। हालांकि BCCI ही इस टूर्नामेंट को होस्ट कर रहा है। ICC ने पिछले महीने ही वर्ल्ड कप ग्रुप का ऐलान किया था।

भारत और पाकिस्तान को एक ही ग्रुप में रखा गया

भारत और पाकिस्तान को सुपर-12 के एक ही ग्रुप में रखा गया है। ये दोनों टीमें ग्रुप-2 में हैं। इस ग्रुप में न्यूजीलैंड और अफगानिस्तान की टीमें भी हैं। वहीं सुपर-12 के ग्रुप-1 में इंग्लैंड, ऑस्ट्रेलिया, साउथ अफ्रीका और वेस्टइंडीज को रखा गया है। हर ग्रुप में 6-6 टीमें होंगी। ग्रुप की अन्य टीमों का फैसला वर्ल्ड कप के क्वालिफायर राउंड के नतीजों से तय होगा।

न्यूज ब्रीफ

देवयानी इंटरनेशनल ने एंकर निवेशकों से 825 करोड़ जुटाए

नई दिल्ली। भारत में पिज्जा हट, केएफसी और कोस्टा कॉफी की सबसे बड़ी फ्रैंचाइजी देवयानी इंटरनेशनल ने बुधवार को कहा कि उसने एंकर निवेशकों से 825 करोड़ रुपए जुटाए हैं। बयान के मुताबिक कंपनी ने 41 एंकर निवेशकों को 90 रुपए प्रति शेयर की दर से 9.16 करोड़ इक्विटी शेयर आवंटित करने का फैसला किया है, जिसकी कुल राशि 825 करोड़ रुपए है। देवयानी इंटरनेशनल ने बताया कि इस दौरान कुल 28 विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने हिस्सा लिया, जिनमें अबू धाबी निवेश प्राधिकरण, फिडेलिटी और गोल्डमैन सैक्स शामिल हैं। इसके अलावा एंकर बुक में छह म्यूचुअल फंड, छह जीवन बीमा कंपनियों और एक सामान्य बीमा कंपनी सहित 13 घरेलू निवेशकों ने भी भाग लिया। देवयानी इंटरनेशनल ने अपने 1,838 करोड़ रुपए के आईपीओ के तहत कीमत का दायरा 86-90 रुपए प्रति शेयर तय किया है। आईपीओ के तहत 440 करोड़ रुपए के ताजा इक्विटी शेयर जारी किए जाएंगे, जबकि प्रमोटर और मौजूदा शेयरधारकों द्वारा 155,333,330 इक्विटी शेयरों की बिक्री पेशकश इसमें शामिल है। कीमत के ऊपरी छोर पर कंपनी को आईपीओ से 1,838 करोड़ रुपए मिलने की उम्मीद है।

व्हाइटहैट जूनियर के संस्थापक करण बजाज ने कंपनी छोड़ी

नई दिल्ली। शिक्षा प्रौद्योगिकी कंपनी बायजूस द्वारा कोडिंग मंच व्हाइटहैट जूनियर का अधिग्रहण करने के एक साल बाद उसके संस्थापक करण बजाज ने बुधवार को कंपनी छोड़ने की घोषणा की। तृप्ति मुखर्जी संगठन का नेतृत्व करेंगी, जो इससे पहले ग्राहक अनुभव और वितरण प्रमुख थीं। लिंक्डइन पर एक पोस्ट में बजाज ने 2018 में स्थापित इस कंपनी से अपनी विदाई की जानकारी दी। उन्होंने कहा, ''मैं नए रास्तों पर आगे बढ़ रहा हूं। इसके साथ ही 17,000 से अधिक कर्मचारियों और शिक्षकों के प्रति मेरी अत्यधिक कृतज्ञता, जो सिर्फ दो साल पहले तक मेरे जीवन का हिस्सा नहीं थे। किसी भी तरह से मुझ पर भरोसा करने के लिए धन्यवाद। मैं आप में से लगभग हर एक को जानता हूं और आपको हमेशा बेहद गर्मजोशी से याद रखूंगा।'' बजाज ने बायजूस के संस्थापक बायजू रवींद्रन को भी धन्यवाद दिया। बायजूस ने अगस्त 2020 में 30 करोड़ अमेरिकी डॉलर (लगभग 2,240 करोड़ रुपये) में व्हाइटहैट जूनियर का अधिग्रहण किया था।

अदाणी विल्मर, फिनो ने फाइल किया आवेदन

अगस्त में आईपीओं से 28 हजार करोड़ जुटाएंगी कंपनियां, जुलाई में 14 हजार रुपए जुटाई थीं

» जुलाई में कुल 6 कंपनियों ने इश्यू लाया था। अकेले जोमैटो ने 9,375 करोड़ जुटाया था

» ज्यादातर कंपनियों को आईपीओ लाने के लिए सेबी के पास से 2 महीने में मंजूरी मिल जाती है

**आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/
आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली**

जुलाई की तुलना में अगस्त में आईपीओ के जरिए कंपनियां दोगुना रकम जुटा सकती हैं। बाजार के जानकारों के मुताबिक, अगस्त में कुल 18 कंपनियां आईपीओ लेकर आ सकती हैं। यह सभी मिलाकर 28 हजार करोड़ रुपए जुटा सकती हैं। जुलाई में कुल 6 कंपनियों ने 14,629 करोड़ रुपए जुटाया है। इसमें अकेले जोमैटो ने ही 9,375 करोड़ रुपए की रकम जुटाई है। नुवोको विस्टा का भी इश्यू 9 से 11 अगस्त के बीच खुलेगा। बुधवार को इसने इसका प्राइस बैंड घोषित कर दिया। यह 560 से 570 रुपए पर शेयर बेचेगी।

अदाणी विल्मर भी लाएगी इश्यू

2 अगस्त को सेबी के पास चार कंपनियों ने आवेदन जमा कराया है। इसमें अदाणी ग्रुप की एफएमसीजी कंपनी अदाणी विल्मर 4,500 करोड़ रुपए जुटा सकती है, जबकि पॉलिसी बाजार 6 हजार करोड़ रुपए जुटाएगी। नायका 4,000 करोड़ रुपए जुटाएगी। फिनो पेमेंट्स ने भी कल ही सेबी के पास मसौदा जमा कराया है।

नुवोको का इश्यू सबसे बड़ा हो सकता है:- अगस्त में सबसे बड़ा इश्यू निरमा की सीमेंट कंपनी नुवोको का हो सकता है। यह 5 हजार करोड़ रुपए जुटाने की योजना पर काम कर रही है। बुधवार को एक साथ 4 कंपनियों के इश्यू खुलेंगे। जबकि 9 अगस्त को कारट्रेड और नुवोको का इश्यू खुलेगा।

यह सभी कंपनियां मिलकर 11,611 करोड़ रुपए जुटाएंगी। इसमें कृष्णा डायग्नोस्टिक्स 1,213 करोड़ रुपए जुटाएगी। यह 954 रुपए पर शेयर बेचेगी। देवयानी इंटरनेशनल 90 रुपए पर शेयर बेचेगी और यह 1,838 करोड़ रुपए जुटाएगी। कारट्रेड 2,998 करोड़ रुपए जुटाएगी।

मेडि असिस्ट, केमप्लास्ट भी आएंगे अगस्त में

इनके अलावा जो और आईपीओ अगस्त महीने में आने वाले हैं, उसमें मेडि असिस्ट हेल्थकेयर सर्विसेस, केमप्लास्ट, अमि ऑर्गेनिक्स, विजया डायग्नोस्टिक्स, पेन्ना सीमेंट, आदित्य बिरला सन लाइफ म्यूचुअल फंड, उत्कर्ष स्माल फाइनेंस बैंक हैं। इसी तरह फिनकेयर स्माल फाइनेंस बैंक, पारस डिफेंस और स्पेस टेक्नोलॉजी के साथ सेवेन आइसलैंड, अप्टस वैल्यू हाउसिंग और सुप्रिया लाइफ साइंस भी इश्यू लाने की तैयारी में हैं। इसमें ज्यादातर फाइनेंशियल और फार्मा की कंपनियां हैं।

दिवाली तक जारी रह सकती है आईपीओ की रफ्तार

वैसे ढ्क्ष की यह रफ्तार दिवाली तक जारी रह सकती है। ऐसा इसलिए क्योंकि जब भी कंपनियां सेबी के पास आवेदन करती हैं तो ज्यादातर को 2 महीने में ढ्क्ष लाने की मंजूरी मिल जाती है। जुलाई में 12 आवेदन, जबकि अगस्त में पहले दिन 4 कंपनियों ने आवेदन फाइल किया है। अभी अगस्त में आगे और भी कंपनियां आवेदन फाइल करेंगी। ऐसे में जुलाई और अगस्त में जो आवेदन फाइल होंगे, वे सितंबर से नवंबर के बीच अपने IPO ला सकती हैं। इसी दौरान सबसे बड़ा पेटीएम का इश्यू भी आ सकता है जो 16,600 करोड़ रुपए का होगा। अगले साल जनवरी में देश की सबसे बड़ी बीमा कंपनी एलआईसी भी सेबी के पास आवेदन जमा करा सकती है। वह मार्च से पहले अपने इश्यू लेकर आ सकती है। यह बाजार से 80 हजार करोड़ रुपए जुटा सकती है।

आईपीओ मूल्य पर सेबी की नजर

**आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/
आईटीडीसी न्यूज मुबई**

बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के मूल्य निर्धारण की प्रक्रिया में बदलाव पर सुझाव देने के लिए विशेषज्ञ समिति गठित की है। सूत्रों ने कहा कि फिलहाल समिति मौजूदा बुक बिल्डिंग प्रक्रिया में कमियों का अध्ययन कर रही है। इस पर विचार हो रहा है कि अंतिम मूल्य निर्धारण में चुनिंदा संस्थागत निवेशकों का योगदान रहे और कंपनियों के लिए मूल्य दायरा व्यापक रखना अनिवार्य हो। उन्होंने कहा कि कथित

फ्रेंच ऑक्शन मूल्य निर्धारण पद्धति की व्यवहार्यता पर भी विचार किया जा रहा है। इस पद्धति से आधार मूल्य तय किया जाता है और निवेशक इस कीमत से ऊपर बोली लगाते हैं। कुछ का मानना है कि यह पद्धति आज के माहौल में ज्यादा प्रभावी साबित हो सकती है, जहां कई कंपनियों के शेयर दोगुने भाव पर सूचीबद्ध हुए हैं। प्राथमिक बाजार परामर्श समिति (पीएमएसी) के उपसमूह वाली समित महीने भर के अंदर अपनी रिपोर्ट सौंप सकती है। मामले के जानकारों का कहना है कि सेबी की प्रमुख चिंता वर्तमान बुक बिल्डिंग प्रक्रिया की प्रभाविता को लेकर है। इसके तहत शेयरों की संख्या के लिए बोलियां और मूल्य सभी निवेशकों से जुटाए जाते हैं। औसत भारांश मूल्य ही निर्गम का अंतिम मूल्य होता है, जिसे कट-ऑफ मूल्य भी कहा जाता है। मूल्य दायरा निचले और ऊपरी मूल्य के बीच अंतर होता है, जो अधिकतम 20 फीसदी रह सकता है। सूत्रों का कहना है कि यह प्रक्रिया केवल सिद्धांत रूप में है और वास्तविक कीमत आईपीओ से काफी पहले तय हो जाती है। एक वरिष्ठ नियामकीय सूत्र ने कहा, बहुत से मामलों में कीमत दायरे की ऊपरी और निचली सीमा में अंतर महज एक रुपये का होता है। इसके अलावा बुक बिल्डिंग की औपचारिक प्रक्रिया शुरू होने से पहले ही एंकर निवेशकों को शेयरों का आवंटन हो जाता है। इससे बुक बिल्डिंग की प्रक्रिया का कोई मतलब नहीं रह जाता है। आईपीओ के दौरान मुश्किल से ही कोई कीमत निर्धारण होता है।

कोविड-19 के चलते ऑटो एक्सपो 2022 स्थगितः सियाम

नई दिल्ली। अगले साल फरवरी में ग्रेटर नोएडा में होने वाले देश के प्रमुख ऑटोमोबाइल शो - ऑटो एक्सपो को कोविड-19 महामारी के चलते स्थगित कर दिया गया है। उद्योग निकाय सियाम ने सोमवार को कहा कि कोविड-19 महामारी की तीसरी लहर की आशंका के चलते ऑटो एक्सपो को स्थगित किया गया है। दो साल में एक बार आयोजित होने वाला यह शो आखिरी बार फरवरी 2020 में हुआ था। सोसाइटी ऑफ ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (सियाम) के महानिदेशक राजेश मेनन ने एक बयान में कहा, ''ऑटो एक्सपो जैसे कारोबारी शो में संक्रमण फैलने का जोखिम बहुत अधिक है, क्योंकि इसमें भीड़ बहुत अधिक होती है और सामाजिक दूरी बनाए रखना मुश्किल होगा।

काजीगुंड-बनिहाल सुरंग यातायात परीक्षण के लिए खोली गईः गडकरी

**आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/
आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली**

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने गुरुवार को कहा कि काजीगुंड और बनिहाल के बीच 8.5 किलोमीटर सुरंग को यातायात परीक्षण के लिए खोल दिया गया है। इस सुरंग से जम्मू और श्रीनगर के बीच यात्रा के समय में लगभग 1.5 घंटे और दूरी में 16 किलोमीटर की कमी होगी। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री ने एक ट्वीट में कहा कि समुद्र तल से 5,800 फीट की ऊंचाई पर बनी यह सुरंग जवाहर सुरंग की जगह लेगी और हर मौसम में संपर्क प्रदान करेगी। उन्होंने ट्वीट किया, ''...काजीगुंड और बनिहाल के बीच 8.5 किलोमीटर लंबी सुरंग का काम पूरा हो चुका है और परीक्षण के लिए यातायात को खोला गया है।'' गडकरी ने कहा कि इससे जम्मू और श्रीनगर के बीच यात्रा के समय में लगभग 1.5 घंटे और दूरी में 16 किलोमीटर की कमी होगी।

कम रिस्क के साथ शेयर मार्केट में करना चाहते हैं निवेश तो फ्लेक्सी कैप फंड में लगाएं पैसा

बीते 1 साल में दिया 76 फीसदी तक का रिटर्न

**आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/
आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली**

कोरोना महामारी के कारण सुस्त पड़ी अर्थव्यवस्था अब तेजी से पटरी पर आ रही है और निवेशकों का भरोसा शेयर बाजार में बरकरार है। शेयर बाजार मे आने वाले कुछ समय मे उतार चड़ाव की संभावना है किन्तु लंबी अवधि के नजरिए से यह शेयर बाजार मे निवेश करने के लिए सही समय है। जिन निवेशकों को शेयर बाजार की सीमित जानकारी है उनकी मदद करता है म्यूचुअल फंड। इन दिनों अगर आप म्यूचुअल फंड में निवेश करने का मन बना रहे हैं तो आप फ्लेक्सी कैप में निवेश कर सकते हैं। इस कैटेगिरी ने बीते 1 साल में 76 फीसदी तक का रिटर्न दिया है। हम आपको आज फ्लेक्सी कैप फंड्स के बारे में बता रहे हैं।

फ्लेक्सी कैप फंड क्या है?

जैसा कि नाम से ही पता चल जाता है, फ्लैक्सी कैप एक इक्विटी म्यूचुअल फंड होता है जिसके पास निवेश करने के लिए लचीलापन होता है। इसमें फंड मैनेजर अपने हिसाब से निवेशक का पैसा स्मॉल, मिड या लार्ज कैप में निवेश करते हैं। इसमें फंड मैनेजर इस बात के लिए बाध्य नहीं रहता है कि उसे किस फंड कैटेगिरी में कितना निवेश करना है।

इस कैटेगिरी ने बीते 1 साल में दिया 55 फीसदी का औसतन रिटर्नः- पर्सनल फाइनेंस एक्सपर्ट और ऑप्टिमा मनी मैनेजर्स के संस्थापक व सीईओ पंकज मठपाल बताते हैं कि यदि हम फ्लेक्सी कैप कैटेगिरी के पिछले एक साल के औसत प्रदर्शन पर ध्यान दें तो इस कैटेगरी ने पिछले एक साल मे लगभग 55 फीसदी का रिटर्न दिया है। वहीं पिछले 3 और 5 साल मे देखा जाए तो औसतन 15 फीसदी से अधिक की दर से रिटर्न मिला है।

इस स्कीम में किसे करना चाहिए निवेश ?:- यदि आप इक्विटी फंड्स में इन्वेस्ट करना चाहते हैं लेकिन ज्यादा-रिस्की एक्सपोजर लेना नहीं चाहते, तो आप टॉप-रेटेड फ्लेक्सी कैप फंड्स में इन्वेस्ट कर सकते हैं। मार्केट कैपिटलाइजेशन की दृष्टि से ये फंड्स अच्छी तरह डाइवर्सिफाइड भी होते हैं। ये फंड्स, मार्केट के स्थिर रहने पर, स्मॉल और मिड-कैप फंड्स की तुलना में कम रिटर्न दे सकते हैं लेकिन अस्थिर मार्केट कंडीशन में ये फंड्स कम रिस्की होते हैं।

PRESS ITDC
ITDC NEWS
www.itdcindia.com

मध्य भारत से विश्वसनीय हिन्दी दैनिक समाचारपत्र
आईटीडीसी न्यूज़,

विश्वसनीयता की अपेक्षा पर खरा बनाने के लिए हम निरंतर कार्य कर रहे है,
प्रति सप्ताह आप सभी का स्वागत।

मेरे लोग, मेरा विधान

इसके तहत हम आप सभी से अनुरोध कर रहे हैं कि
विश्लेषणात्मक रचनाएं, जनसामान्य हित में
नई जानकारियां, लेख, आलेख, टीका, विवेचना, समाचार, रोचक तथ्य,
नए प्रयास, अभिनव प्रयोग के रूप में हमें प्रेषित करें।

आपकी रचना, नाम, चित्र सहित, अधिकाधिक पाठकों तक पहुंचे,
इसके लिए हम, समाचार पत्र में प्रकाशित रचनाओं को,
देश के सभी प्रचलित सोशल मीडिया स्टैंड जैसे फेसबुक, लिंकेडीन, यूट्यूब, जीटॉक, ट्विटर, इंस्टाग्राम
व्हाट्सएप्प एवं हमारे डिजिटल स्टैंड से प्रचार-प्रसार भी देंगे।
(दीर्घ समय तक https://www.itdcindia.com/saga-news.php पर भी उपलब्ध)
जिससे लाभान्वित जनों की संख्या निरंतर बढ़ती रहे।

आप सभी इच्छुकजन अपनी गैरमानदेय,
अपठित, नवीन, मूल एवं मौलिक रचना, हिन्दी में हमें प्रेषित करें।
(और अंग्रेजी में भेजने पर केवल हमारे डिजिटल स्टैंड पर ही प्रकाशन होगा)
उक्त हेतु, आपका चित्र, नाम, शहर, मोबाइल न, आपकी रचना, मेल करें-ईमेल
itdcnewsmp@gmail.com

मध्य भारत का विश्वसनीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
इंटीग्रेटेड ट्रेड
डेव्हलपमेंट सेंटर न्यूज़